● वर्ष-4
● अंक-78
रायपुर, शनिवार
09 नवंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» विंटर में आपकी स्किन का ख्याल ...

दो साल में अमेरिकन सड़कों के नेटवर्क की तरह होगा छग का नेटवर्क

20 हजार करोड़ रुपए के कार्यों की दी स्वीकृति

गडकरी ने इंडियन रोड कांग्रेस के अधिवेशन में की घोषणा - छत्तीसगढ़ में चार राष्ट्रीय राजमार्गों को फोरलेन करने राशि मंजूर, रायपुर में चार फ्लाईओवर बनेंगे

मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण में सड़कें हमारी सबसे बड़ी ताकतः मुख्यमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नेशनल हाइवे का नेटवर्क दो साल के अंदर अमेरिकन नेटवर्क के बराबर होगा, आज मैं यह विश्वास दिलाता हूँ, आपने जो छत्तीसगढ़ राज्य के लिए मांगे रखी हैं वे सब देंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज रायपुर में आयोजित हो रहे भारतीय सड़क कांग्रेस के 83वें वार्षिक अधिवेशन के शुभारंभ कार्यक्रम में ये बातें कहीं। उन्होंने इस मौके पर छत्तीसगढ़ में सड़कों के विकास के लिए 20 हजार करोड़ रुपए के कार्यों की स्वीकृति दी। इनमें चार राष्ट्रीय राजमार्गों में फोरलेन के लिए डीपीआर की स्वीकृति भी शामिल है। श्री गडकरी ने धमतरी से जगदलपुर, रायपुर से बलौदाबाजार-सारंगढ़, कटघोरा से अम्बिकापुर और बिलासपुर से अकलतरा-रायगढ़ से ओडिशा बार्डर तक के राष्ट्रीय राजमार्गों को फोरलेन करने के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने छत्तीसगढ़ में कई सिंगल लेन और टू लेन सड़कों के निर्माण के लिए भी राशि मंजूर की। श्री गडकरी ने रायपुर में सरोना, उद्योग भवन, तेलीबांधा और धनेली जंक्शन में फ्लाईओवर निर्माण के लिए भी राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने तीन सड़कों के वन टाइम इंप्रूवमेंट कार्यों की भी मंजूरी दी। श्री गडकरी ने सड़कों के निर्माण लिए केन्द्रीय

सड़क निधि (सीआरएफ) से 900 करोड़ रूपए देने की भी घोषणा की।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर में भारतीय सड़क कांग्रेस के अधिवेशन का शुभारंभ करते हुए कहा कि इंडियन रोड कांग्रेस में देश के विभिन्न राज्यों से आये सभी इंजीनियर्स को मैं देश के विश्वकर्मा के रूप में मानता हूँ। राष्ट्र के निर्माण में आप सबका बहुत बड़ा योगदान है। हमारे प्रधानमंत्री का मिशन है कि हम हिंदुस्तान को 5 ट्रिलियन की इकानामी बनायें। आत्मनिर्भर भारत बनाएं। इसके लिए हमें इंडस्ट्री और एग्रीकल्चर में प्रगति करनी होगी। इसके लिए यातायात का इंफ्रास्ट्रक्चर हमें बेहतर करना होगा। इस क्षेत्र में जब कैपिटल इन्वेस्टमेंट आएगा तो रोजगार निर्मित होगा और गरीबी दूर होगी और हिंदुस्तान आत्मनिर्भर होगा। इस सपने को पूर्ण करने में आपके गुणवत्तापूर्ण काम का महत्वपूर्ण योगदान होगा, इसके लिए देश-विदेश में रिसर्च को अपनाना होगा। ज्ञान को संपत्ति में बदलना ही भविष्य हैं।

श्री गडकरी ने अधिवेशन में शामिल हो रहे इंजीनियर्स से कहा कि जनता का पैसा जितना बचा सकते हैं बचाएं, इसमें तकनीक बहुत काम आयेगी। छत्तीसगढ़ में एक महत्वपूर्ण बात शुरू हुई है। हमने यहां से एक बैम्बू क्रैश बैरियर बनाना आरंभ किया। स्टील यूज करने की जरूरत नहीं, यह इको फ्रेंडली है। आप पूरे छत्तीसगढ़ में लोहे के बजाय बैम्बू क्रैश बैरियर यूज करें, इससे गांव के किसानों को बैम्बू के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। हमने पराली से बायो विटामिन बनाया है और इसका मेघालय में प्रयोग हो रहा है। अभी पानीपत में हमने पराली में एक हजार लीटर बायो विटामिन और बायो एविएशन फ्यूल बनाना शुरू किया। यह पराली अथवा पैरा से बनेगा तो छत्तीसगढ़ में बहुत बढ़िया काम हो जाएगा। गडकरी ने कहा कि रोड एक्सीडेंट को कम करने हमें बहुत प्रयास करना होगा। कोशिश करिये एक्सीडेंट न हों। इसके लिए सभी तकनीकी उपाय अपनाएं। छोटी-छोटी बातों को अमल में लाकर रोड इंजीनियरिंग में सुधार करें तो बहुत बेहतर होगा। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि रोड सेफ्टी के हिसाब से परफेक्ट रोड बनाइये। रोड सेफ्टी को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिवेशन के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हमें विकास भी करना है और पर्यावरण का संतुलन भी रखना है। हमारे देश में ट्रांसपोर्ट सेक्टर देश के पाल्यूशन में 40 प्रतिशत योगदान करता है। मैं आईआरसी के पदाधिकारियों से अनुरोध करूंगा कि आप इस सेक्टर को इंटीग्रेटेड एप्रोच से सोचें। हमें सड़कों के किनारे टायलेट बनाने होंगे।

आखिर क्या है महिला आयोग का प्रस्ताव

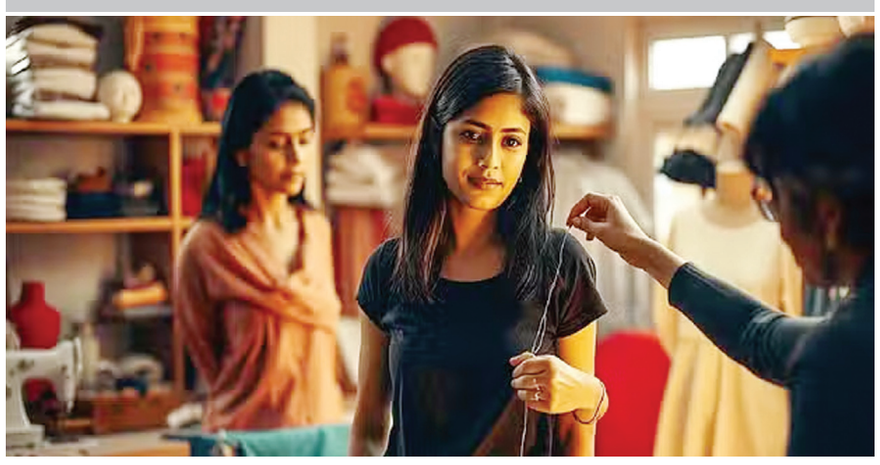

दर्जी नहीं लेंगे नाप, जिम और सैलून में भी पुरुषों को लेकर नियम सख्त

नोएडा। उत्तर प्रदेश में महिला आयोग के नए प्रस्ताव को लेकर काफी चर्चा हो रही है। हर कोई इसको लेकर असमंजस की स्थिति में है। प्रस्ताव अमल में आने पर महिलाओं जुड़ी कई चीजें बदल जाएंगी, जिसमें उनके दर्जी से लेकर जिम के ट्रेनर तक शामिल होंगे। इससे न सिर्फ महिलाएं बल्कि उन्हें सेवा प्रदान करने वाले लोग भी प्रभावित होंगे। जी हां, उत्तर प्रदेश में महिलाओं को बैड टच और पुरुषों की बुरी नीयत से बचाने के लिए राज्य महिला आयोग ने एक प्रस्ताव दिया है। इसके तहत प्रदेश में अब पुरुष दर्जी महिलाओं के कपड़े सिलने के लिए महिलाओं की नाप नहीं ले सकेंगे। महिलाओं की नाप लेने के लिए दुकानों पर महिला दर्जी रखनी होगी। वहीं, जिम में भी महिलाओं के लिए अलग से महिला ट्रेनर रखने का प्रस्ताव दिया गया है। जानें और क्या-क्या इसमें शामिल होगा।

आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान ने कहा कि यह प्रस्ताव महिलाओं की सुरक्षा और उनके रोजगार के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। मेरा अनुरोध है कि जिम में महिलाओं के लिए महिला ट्रेनर और महिलाओं की नाप लेने के लिए महिला टेलर ही रखी जाए।

उन्होंने कहा कि पहले ब्यूटी पार्लर में सिर्फ महिला कर्मचारी ही होती थीं, पर अब पुरुष कर्मचारी भी होने लगे हैं। यहां तक कि आज ब्राइडल मेकअप भी पुरुष कर्मचारी कर रहे हैं। मैं बस इतना चाहती हूं कि अगर किसी महिला को पार्लर में पुरुष कर्मचारी की सेवाएं लेनी हैं तो उसे इस बात को लिखकर देना होगा।

उन्होंने प्रस्ताव दिया कि पार्लर, जिम और टेलर के यहां पुरुष कर्मचारी होने पर इसका सत्यापन पुलिस द्वारा किया जाए।

राहुल गांधी पर हिंदू समाज को बांटने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। असम के सीएम और झारखंड बीजेपी के सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने हिंदू समाज को बांटने की जो साजिश रची है, ऐसा तो अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के दुश्मन राहुल गांधी समाज को बांटना चाहते हैं। सरमा ने दावा किया कि हेमंत सोरेन घुसपैठियों के लिए काम करते हैं। वह आदिवासी समाज के कल्याण के लिए काम नहीं करते। राहुल पर अपना हमला जारी रखते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि वह झारखंड के कल्याण के लिए काम नहीं करते। इसीलिए तो हम लोग कहते हैं एकजुट रहो, सुरक्षित रहो। भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री और कांग्रेस-जेएमएम नेता अपनी रैलियों में जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे साबित होता है कि वे घबराये हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि यहां तक कि उन्होंने भी स्वीकार कर लिया है कि वे जीतने वाले नहीं हैं। हमें चुनाव प्रक्रिया या चुनाव आयोग, राज्य सरकार या केंद्र सरकार की भूमिका से कोई समस्या नहीं है। वहीं, आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज झारखंड के सिमडेगा में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि मैं

आपको मणिपुर के बारे में बताता हूं। भाजपा ने मणिपुर को जला दिया और आज तक, भारत के प्रधान मंत्री ने वहां का दौरा नहीं किया है। इसका मतलब है कि उन्होंने इस बात को मान लिया है कि मणिपुर जैसा कोई राज्य नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा की विचारधारा के कारण मणिपुर जला। राहुल ने भाजपा पर आरोप लगाया कि ये दलित और अल्पसंख्यकों के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि देश में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की कोई भागीदारी नहीं है। देश के दलित, पिछड़े और आदिवासी वर्ग के लोग सक्षम हैं। आप में कोई कमी नहीं है।

छठ पूजा के आखिरी दिन आज उगते हुए सूर्य को दिया गया अर्घ्य !

प्रमुख समाचार

97 वर्ष के हुए आडवाणी मिलने पहुंचे पीएम मोदीं

नई दिल्ली। लालकृष्ण आडवाणी आज 97 साल के हो गए। वयोवृद्ध राजनेता और देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान- भारत रत्न से सम्मानित आडवाणी को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने घर जाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। आडवाणी को बधाई देने पहुंचे कोविंद ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। उसके अलावा जन्मदिन का केक भी काटा गया। इस माके पर आडवाणी की बेटी प्रतिभा भी मौजूद रहीं। आडवाणी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जन्मदिन की बधाई दी। महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के बाद दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री देर शाम आडवाणी से मुलाकात करने उनके आवास पर पहुंचे। लगभग आधे घंटे तक पीएम मोदी और आडवाणी की मुलाकात हुई। इसके बाद पीएम मोदी का काफिला आडवाणी के आवास से रवाना हो गया। प्रधानमंत्री मोदी के साथ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी आडवाणी से मुलाकात की।

महिलाओं के खिलाफ टिप्पणी पड़ेगी भारी! सीईसी ने दिए निर्देश

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को चुनाव अभियान के दौरान महिला नेताओं के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणियों की निंदा की। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से समय पर और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। सीईसी के निर्देश महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले जिला चुनाव अधिकारियों, पुलिस आयुक्तों, एसपी, नगर निगम आयुक्तों और रिटर्निंग अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए। सीईसी ने कथित तौर पर अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि राजनीतिक दल और उम्मीदवार किसी भी ऐसे कार्य, कार्य या कथन से बचें जिन्हें महिलाओं के सम्मान और प्रतिष्ठा के प्रतिकूल माना जा सकता है। कुमार ने यह भी कहा कि नेताओं और कार्यकर्ताओं के निजी जीवन, जिसका उनके सार्वजनिक जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, की आलोचना नहीं की जानी चाहिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ निम्न-स्तरीय व्यक्तिगत हमलों से भी बचना चाहिए। सीईसी ने राज्य चुनाव अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों और नैतिक आचार संहिता (एमसीसी) के अन्य उल्लंघनों से कड़ी और समय पर कार्रवाई की जाए।

द सैटेनिक वर्सेज अब भारत में भी मंगाई जा सकती है

ब्रिटेन के मशहूर लेखर सलमान रुश्दी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने लेखक सलमान रुश्दी की किताब द सैटेनिक वर्सेज के इंपोर्ट पर केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा 1988 में लगाए गए प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई बंद कर दी है। ऐसा तब हुआ जब सीबीआईसी 5 अक्टूबर, 1988 की प्रतिबंध की उक्त अधिसूचना को प्रस्तुत करने में विफल रही और पीठ के समक्ष स्वीकार किया कि यह अप्राप्त है। कोर्ट ने कहा कि 1988 में जारी हुआ बैन नोटिफिकेशन अधिकारी पेश नहीं कर पाए। ऐसे में यह मानना होगा कि ऐसा कोई नोटिफिकेशन है ही नहीं। याचिका को निरर्थक घोषित करते हुए, 5 नवंबर को जस्टिस रेखा पल्ली और सौरभ बनर्जी की पीठ ने आदेश दिया कि उसके पास ये मानने के अलावा कि ऐसी कोई अधिसूचना मौजूद नहीं है कोई अन्य विकल्प नहीं है। याचिकाकर्ता संदीपन खान की ओर से पेश वकील उद्यम मुखर्जी ने पुस्तक पर प्रतिबंध लगने के कारण उसे आयात करने में असमर्थ होने के बाद 2019 में दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था। विभिन्न पुस्तक दुकानों द्वारा उन्हें यह भी बताया गया कि पुस्तक को भारत में बेचने की अनुमति नहीं है और उक्त पुस्तक भारत में प्रकाशित नहीं हुई है।

नो कर्फ्यू, नो दंगा यूपी में सब चंगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज मुरादाबाद में आयोजित एक सार्वजनिक रैली में समाजवादी पार्टी पर तीखा वार किया। इसके साथ ही उन्होंने सपा कार्यकाल के दौरान प्रगति का विरोध करने और अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। रैली के दौरान बोलते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी और उसके नेताओं पर कई आरोप लगाए। उन्होंने मुख्य रूप से पार्टी की दृष्टि में व्याप्त अराजकता और अपराध की संस्कृति पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा है। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी को समाज को लाभ पहुंचाने वाले किसी भी अच्छे काम से दिक्कत है। अगर कोई सपा का झंडा लगी गाड़ी देखता है तो समझ लेता है कि इसमें कोई बड़ा गुंडा होगा। उन्होंने कहा कि अगर आपको उनका संस्कार देखना है तो उनके सोशल मीडिया हैंडल्स देख लीजिए। सभ्य समाज में ऐसे लोगों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी का सामाजिकता से कोई लेना-देना नहीं है।

मैं तो समोसा खाता भी नहीं... सीआईडी जांच पर सीएम सुक्खू ने दी सफाई

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में समोसा को लेकर सीआईडी जांच को लेकर विवाद पैदा होने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि कुछ अधिकारियों के कदाचार और दुर्व्यवहार की जांच के आदेश दिए गए थे। सुक्खू ने कहा कि सीआईडी जांच समोसे के बारे में नहीं थी, जैसा कि मीडिया ने दिखाया, बल्कि यह अधिकारियों के दुर्व्यवहार का पता लगाने के लिए थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर उनके खिलाफ भाजपा का हमला बचकाना था और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद से पार्टी उनके खिलाफ बदनामी का अभियान चला रही है। बता दें कि अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) मुख्यालय में 21 अक्टूबर को एक समारोह में भाग लेने गए मुख्यमंत्री को परोसने के लिए लक्कड़ बाजार स्थित एक होटल से समोसे और केक लाया गया था। हालांकि, पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट के अनुसार खाने की चीजें समन्वय की कमी के कारण सुरक्षा कर्मचारियों को परोसी गई थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के पूर्व प्रमुख सतपाल सत्ती ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार 'समोसे की जांच' का आदेश देकर हंसी का पात्र बन गई है।

एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे का विवाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बदलेगा

शिवेंद्र तिवारी

देश की सर्वोच्च अदालत ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के दर्जे को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से फैसले में कहा है कि अल्पसंख्यक दर्जा सिर्फ इसलिए नहीं खोया जाता कि संस्थान कानून के जरिए बनाया गया था। पीठ ने 4:3 बहुमत से निर्णय सुनाते हुए एस. अजीज बाशा बनाम भारत संघ के 1967 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि किसी कानून द्वारा बनी संस्था अल्पसंख्यक संस्था होने का दावा नहीं कर सकती। अदालत ने कहा है कि एएमयू अल्पसंख्यक दावे का फैसला इस आधार पर किया जाएगा कि इसे किसने स्थापित किया। एएमयू अल्पसंख्यक संस्थान है या नहीं इसका फैसला अब एक नियमित पीठ तय करेगी।

1965 में यूनिवर्सिटी का अल्पसंख्यक स्वरूप खत्म कर दिया गया था। 1967 में यूनिवर्सिटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। तब से यूनिवर्सिटी अल्पसंख्यक का दर्जा पाने के लिए लड़ाई लड़ रही है।

पहले जानते हैं कि एएमयू क्या है?

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है, जो उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में स्थित है। यह एक आवासीय शैक्षणिक संस्थान के रूप में काम करता है। एएमयू की वेबसाइट के अनुसार, विश्वविद्यालय 1920 में स्थापित किया गया था। सर सैयद ने वर्ष 1875 में मदरसातुल की स्थापना की थी। अगले दो साल बाद यह मदरसा एमएओ कॉलेज बन गया। यही कॉलेज वर्ष 1920 में एएमयू के रूप में वजूद में आया। हालांकि, सर सैयद अहमद का 27 मार्च 1898 को निधन हो गया था। यूनिवर्सिटी अपने वजूद से लेकर आज तक सुर्खियों में रही जिसके केंद्र में एएमयू एक्ट भी रहा।

क्या है एएमयू एक्ट?

दरअसल, संस्थान की स्थापना अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अधिनियम, 1920 के तहत की गई थी। अधिनियम की धारा 23 के अनुसार, विश्वविद्यालय के न्यायालय, विश्वविद्यालय के शासी निकाय में केवल मुस्लिम व्यक्ति ही शामिल होने चाहिए। इसके बाद कालांतर में एएमयू एक्ट में कई बदलाव हुए। आजादी के बाद एएमयू के एक्ट में वर्ष 1951 में बदलाव किए गए थे। साल 1965 में यूनिवर्सिटी का अल्पसंख्यक स्वरूप खत्म दिया गया। इसके बाद 1967 में यूनिवर्सिटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। 1981 में पुन: अल्पसंख्यक स्वरूप बहाल हो गया। 2004 में केंद्र के पत्र से स्वरूप को लेकर विवाद शुरू हो गया। वर्ष 2004 में इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। वर्ष 2006 में हाईकोर्ट ने अल्पसंख्यक स्वरूप खारिज कर दिया। वर्ष 2006 में संस्थान ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। वर्ष 2016 में केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यक संस्थान होने का शपथ पत्र वापस ले लिया। वर्ष 2019 में संविधान पीठ ने सुनवाई की। पीठ ने 1 फरवरी 2024 को फैसला सुरक्षित कर लिया, जिसका फैसला 8 नवंबर 2024 को आया है।

किन विषयों को लेकर विवाद हुआ?

एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे पर विवाद 1967 में प्रमुखता से उभरा। यह विवाद एएमयू अधिनियम 1920 में 1951 और 1965 में किए गए संशोधनों को मिलीं कानूनी चुनौतियों के कारण उपजा था। प्रमुख बदलावों में %लॉर्ड रेक्टर% के स्थान पर %विजिटर% की नियुक्ति शामिल थी, जो भारत के राष्ट्रपति होंगे।

इसके बाद दूसरा बदलाव गैर-मुस्लिमों को विश्वविद्यालय न्यायालय का हिस्सा बनने की अनुमति से जुड़ा था। विश्वविद्यालय न्यायालय में सदस्यता को केवल मुसलमानों तक सीमित करने वाले प्रावधानों को हटा दिया गया, जिससे गैर-मुस्लिमों को शामिल करने की अनुमति मिल गई। जब सर्वोच्च न्यायालय में कानूनी चुनौती दी गई तो मुख्य रूप यह दावा किया गया कि एएमयू की स्थापना मुसलमानों ने की थी और इसलिए इसका प्रबंधन उनका ही अधिकार है। इसी बीच 1967 में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आया। 1967 के एस. अजीज बाशा बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा था कि चूंकि एएमयू एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, इसलिए इसे अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता। इस मामले में न्यायालय ने माना था कि संविधान के अनुच्छेद 29 और 30 के तहत अल्पसंख्यक का दर्जा किसी केंद्रीय विश्वविद्यालय को नहीं दिया जा सकता क्योंकि इसकी स्थापना संसदीय कानून के जरिए की गई थी।

अदालत के फैसले में अहम बात यह थी कि एएमयू की स्थापना एक केंद्रीय अधिनियम के जरिए की गई थी, ताकि इसकी डिग्रियों को सरकारी मान्यता मिल सके, जो यह दर्शाता है कि अधिनियम केवल मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रयासों का नतीजा नहीं था। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि यह अधिनियम मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रयासों का परिणाम हो सकता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि 1920 के अधिनियम के तहत विश्वविद्यालय की स्थापना मुस्लिम अल्पसंख्यकों द्वारा की गई थी।

2 करोड़ लागत से बनाया गया था पुल, अब ग्रामीण कर रहे ब्यारा के रूप में उपयोग

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के देवभोग क्षेत्र के गोहरापदर में एक उच्च स्तरीय पुल का निर्माण पिछले कुछ सालों से चर्चा का विषय बना हुआ है। ओडिसा सीमा से लगे इस गांव में 75 मीटर लंबे और 2 करोड़ की लागत से बने पुल का निर्माण 2015 में पीडब्ल्यूडी के सेतु निगम शाखा ने किया था। हालांकि, यह पुल अब अपनी असली उद्देश्य के बजाय फसल सुखाने और मिंजाई के लिए इस्तेमाल हो रहा है।

दरअसल, यह पुल पंचायत मुख्यालय को दूसरे मोहल्ले से जोड़ता है और आगे जाकर ओडिशा के कोतमेर गांव से जुड़ता है। यह क्षेत्र एक ग्रामीण इलाका होने के कारण प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के मापदंडों पर खरा नहीं उतरता था। बावजूद इसके, 2015 में यहां उच्च स्तरीय पुल का निर्माण किया गया। पुल पर वाहनों की आवाजाही कम होने के कारण अब किसान इस पुल पर धान और मक्का की फसलें सुखाने के लिए उपयोग कर रहे

हैं। इतना ही नहीं, फसलों की रखवाली के लिए पुल के ऊपर किसान अस्थायी झोपड़ियां भी बना चुके हैं।

ग्रामीण इलाके में स्थित इस पुल से वाहनों का आवागमन काफी कम होता है। हालांकि, धान सप्लाई सीजन के दौरान ओडिशा से हर दिन 10 से 12 पिकअप और ट्रैक्टर पुल से गुजरते हैं। इस पुल की मुख्य समस्या यह है कि इसका इस्तेमाल केवल कृषि कार्यों के लिए हो रहा है, जबकि इसे यातायात के लिए बनवाया गया था।

जिस नाले पर यह पुल बनाया गया है, उसकी चौड़ाई 15 मीटर से भी कम थी, लेकिन सर्वे में इसका डूबान क्षेत्र 30 मीटर से ज्यादा पाया गया था। इसके बाद 2015 में इस पुल के निर्माण की मंजूरी दी गई थी। 2014 में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, धुपकोट जलाशय का उलट भी किया गया था, जिससे नाले में पानी का दबाव कम हुआ और बाढ़ का खतरा भी टल गया। इस पुल के बनने के बाद से अब तक किसी प्रकार की बाढ़ की समस्या उत्पन्न नहीं हुई है।

जब इस मामले में पीडब्ल्यूडी और सेतु निगम के अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने इस कार्य को पुराना मामला बताकर जवाब देने से इंकार कर दिया। अधिकारियों ने इसे एक पुरानी परियोजना मानते हुए मामले से पल्ला झाड़ लिया।

मैनपुर ब्लॉक के ग्रामीणों ने गोहरापदर पुल की तुलना में शोभा क्षेत्र में पांच अन्य नदियों और नालों पर पुल निर्माण की मांग की है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम ने कहा कि शासन ने गैर-जरूरी स्थानों पर करोड़ों रुपए खर्च किए, जबकि जरूरतमंद इलाकों की अनदेखी की गई। उन्होंने इस पूरी स्थिति को फिजूलखर्ची करार देते हुए कहा कि अगर इस पुल का सही इस्तेमाल हुआ होता तो यह ग्रामीण क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में सुधार करता, लेकिन अब इसे कृषि कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

बता दें, ग्रामीणों ने लंबे समय से पुल निर्माण के लिए संघर्ष किया है, और अब उनकी यह मांग और भी जोर पकड़ रही है कि जरूरतमंद क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ पुलों का निर्माण किया जाए। इस मामले पर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में प्रतिक्रिया आने की संभावना है, क्योंकि ग्रामीण इस मुद्दे को लेकर और अधिक सक्रिय हो गए हैं।

जंग का अखाड़ा बना थाना, आपस में भिड़े पुलिस वाले

एएसआई-आरक्षक के बीच मारपीट एक का हाथ तो दूसरे का टूटा दांत

कोरबा। कोरबा सिटी कोतवाली में पदस्थ दो सहायक उप निरीक्षक और एक आरक्षक के बीच झड़प हो गई। एएसआई अश्वनी वर्मा और अजय सिंह और कोर्ट आरक्षक नितेश मिश्रा के बीच थाने के अंदर मारपीट हुई। यह घटनाक्रम 6 नवंबर 2024 की शाम 6 से 7 बजे बीच की बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने कोरबा सीएसपी के प्रतिवेदन के आधार पर दोनों एएसआई को लाइन अटैच कर दिया है जबकि आरक्षक पूर्व से ही लाइन में रहकर न्यायालय कार्य में संलग्न है।

इस घटना को लेकर जो बातें सामने आई हैं उसके मुताबिक थाने के दो मुखबिर और गवाहों को लेकर आरक्षक नितेश मिश्रा व एएसआई अश्वनी वर्मा के द्वारा अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हुए एएसआई अजय सिंह के लिए भी भला-बुरा कहा गया था। उक्त बातों की जानकारी होने और समय आने पर गवाहों को दारू-गांजा के मामले में जेल भेजने की बात को लेकर जब एएसआई अजय सिंह ने आरक्षक से उक्त बात की तस्दीक करना चाहा और ऐसा कहने व करने की वजह पूछी तो आरक्षक ने ऐसी बात कहने वाले के लिए ही गाली-गलौच करना शुरू कर दिया और जब अजय सिंह ने गलत बात करने से रोका तो उसके साथ हाथापाई पर उतारू हो गया।

इसी समय एएसआई अश्वनी वर्मा के वहां पहुंचने पर उन सभी बातों को लेकर सवाल-जवाब किया गया तो नौबत मारपीट तक आ गई और आरक्षक के अलावा दोनों एएसआई आपस में ही भिड़ गए। थाना में मौजूद स्टाफ ने इन तीनों को अलग कराया। तब तक घटनाक्रम की सूचना फोन के जरिए एसपी को दी जा चुकी थी, जिसे उन्होंने गंभीरता से लेते हुए सीएसपी भूषण एक्का को जांच के निर्देश दिए।

पुराने विवाद को लेकर हुए घटनाक्रम में जो बातें सामने आई उनके आधार पर पुलिस की छवि धूमिल होती देख दोनों एएसआई को लाइन अटैच कर दिया गया है। इससे पहले दोनों का मेडिकल मुलाहिजा जिला अस्पताल में सिविल लाइन थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद डडसेना की उपस्थिति में कराया गया। इस मारपीट की घटना में एएस आई अजय सिंह का दांत टूट गया है वही एएसआई अश्वनी का हाथ टूट गया है। इस घटना के बाद पुलिस विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं इससे पहले भी अश्वनी वर्मा के विवादित मामले सामने आ चुके हैं।

बीजापुर में पुलिस नक्सली मुठभेड़ दो माओवादी ढेर, सर्च ऑपरेशन जारी

उसूर बासागुड़ा पामेड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर बासागुड़ा पामेड़ क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सर्चिंग अभियान पर संयुक्त पुलिस पार्टी गई थी। सर्चिंग के दौरान शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे से लगातार पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। सुरक्षा बल के जवानों और पुलिस के बीच रुक रुक कर फायरिंग जारी है। बीजापुर पुलिस अधीक्षक के मुताबिक सभी जवान सुरक्षित हैं। सर्च अभियान जारी है। टीम लौटने के बाद पूरी जानकारी मिल पाएगी।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो नक्सली ढेर हो चुके हैं। इलाके के पुलिस के जवानों से चारों ओर से घेर लिया है। मुठभेड़ को लेकर आला अफसर भी नजर बनाए हुए हैं। एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान जवान रुटीन सर्चिंग अभियान पर निकले थे। पुलिस को इसी बीच सूचना मिली की कुछ नक्सली जंगल के कोर

एरिया में मौजूद हैं। सूचना के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर नक्सलियों को ललकारा। जवाबी फायरिंग फिलहाल दोनों ओर से जारी है।

बीजापुर पुलिस अधीक्षक राजेंद्र यादव ने कहा फोर्स रुटीन सर्चिंग अभियान पर निकली थी। हमारे सभी जवान पूरी तरह से सुरक्षित हैं। ऑपरेशन को पूरा करने के बाद जब जवान लौटेंगे तब पूरी जानकारी साझा की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बीजापुर में सुरक्षाबलों के लगातार बढ़ते दबाव से नक्सली बैकफुट पर हैं। अबूझमाड़ एनकाउंटर के बाद से नक्सली किसी बड़ी घटना की फिराक में हैं। नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम भी सक्रिय है। 7 नवंबर को बीजापुर के मुतवेंडी सुरक्षा कैंप के पास पांच किलो का आईईडी बरामद किया गया था। वहीं 5 नवंबर को सावनार से कोरचोली के बीच नक्सलियों ने 5 किलो का आईईडी बम प्रेशर स्विच सिस्टम से प्लांट किया था। जवानों ने आईईडी को निष्क्रिय किया।

बस्तर ओलंपिक: ब्लॉक स्तरीय स्पर्धा की धूम

कोंडागांव। बस्तर संभाग में युवाओं को खेल से जोड़ने के लिए ऐतिहासिक बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। कोंडागांव में गुरुवार को ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में विधायक लता उसेंडी और जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। बस्तर ओलंपिक के लिए जिलेभर से 38,000 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में भाग लेने के लिए पंजीयन कराया है। यह स्पर्धा एक सप्ताह तक चलेगी, जिसमें पारंपरिक खेलों के साथ साथ अन्य खेलों का भी आयोजन हो रहा है। कोंडागांव कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बताया कि बस्तर ओलंपिक 2024 की विकासखंड स्तरीय स्पर्धा में जिले के अलग अलग संकुलों के 10-10 गांवों के लोग खेल भावना के साथ हिस्सा ले रहे हैं। इस आयोजन में 14 से 17 वर्ष की जूनियर कैटेगरी, 17 वर्ष से ऊपर की सीनियर कैटेगरी और नक्सली हिंसा से प्रभावित दिव्यांग जनों के लिए विशेष कैटेगरी बनाई गई है, जिसमें लगभग 70-80 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उन्होंने जिलेवासियों से इस ओलंपिक में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा बस्तर संभाग में सभी जिलों में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए बस्तर ओलंपिक का आयोजन हो रहा है। यह तीन स्तर पर होगा। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं के बाद जिला स्तरीय और उसके बाद संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं होगी। विधायक लता उसेंडी ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला- स्वास्थ्य और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए इस आयोजन को ब्लॉक स्तर के बाद जिला और संभाग स्तर तक बढ़ाया जाएगा। विधायक लता उसेंडी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में हार-जीत तो होती रहती है, लेकिन खेल में उतरना अपने आप में सम्मान की बात है।

गंगरेल मड़ई में संतान प्राप्ति का आशीर्वाद देने 54 गांवों से पहुंचे देवी-देवता

पूजा-अर्चना कर निसंतान महिलाओं ने संतान प्राप्ति की कामना की

धमतरी। मां अंगारमोती शक्तिपीठ गंगरेल में आज भी सदियों की आस्था लोगों में जागृत है। दीपावली के बाद पहले शुक्रवार को गंगरेल मड़ई का आयोजन मां अंगारमोती परिसर में हुआ जहां 54 गांवों के देवी-देवता निसंतान दंपत्तियों को आर्शीवाद देने के लिए पहुंचे। मां अंगारमोती की पूजा-अर्चना कर निसंतान महिलाओं ने संतान प्राप्ति की कामना की। मड़ई में क्षेत्र के सैकड़ों लोग तो शामिल हुए है साथ ही आसपास के जिलों के लोग भी संतान प्राप्ति के लिए पहुंचे हुए थे।

मड़ई में पहुंचे बैगाओं ने त्रिशूल, कासल, सांकल आदि हाथ में रख संस्कृति का प्रदर्शन किया। युवक डांग लेकर उनकी अगुवाई करते रहे। जगह-जगह इनकी पूजा-अर्चना भी की गई। इस दौरान आंगादेव पारंपरिक बाजे की थाप पर जमकर थिरकते रहे। गंगरेल मड़ई देखने शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों लोग पहुंचे। मां अंगारमोती देवी के दर्शन कर उन्होंने अपने परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की कामना भी की। निस्संतान महिलाओं ने मां अंगारमोती के दरबार में जल चढ़ाकर संतान प्राप्ति की कामना की।

मान्यता के अनुसार दिवाली के बाद आने वाले पहले शुक्रवार को यहां मड़ई का आयोजन किया जाता है। इसके बाद ही अंचल के अन्य गांवों में मड़ई मेले के आयोजन का सिलसिला शुरु होता है। साल की पहली मड़ई होने के कारण यहां शहर समेत गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। मड़ई का मुख्य आकर्षण 54 गांवों से पहुंचने वाले देवी-देवता रहते हैं, जिन्हें विधि-विधान के साथ मां अंगारमोती के दरबार में आमंत्रित किया जाता है। इन देवी-देवताओं के साथ आंगा देवता भी आते हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

17वीं बटालियन के 20 करातूस और इंसास राइफल चोरी

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरेखा स्थित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के 17वीं बटालियन (भारत रक्षित) के भीतर से 20 नग करातूस व एक इंसास राइफल की चोरी हो गई है। इस मामले में 17वीं बटालियन के अफसरों ने कवर्धा सिटी कोतवाली थाना में मामला दर्ज कराया है। हथियार चोरी की वारदात सामने आने के बाद यहां हड़कंप मचा हुआ है। कवर्धा सिटी कोतवाली थाना प्रभारी लालजी सिन्हा ने बताया कि घटना तीन दिन पहले की है। फिलहाल एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चोरी की वारदात बटालियन के भीतर हुई है। ऐसे में यहां पदस्थ जवान व अन्य अधिकारियों से पूछताछ की जाएगी। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दे कि ग्राम सरेखा में 17वीं बटालियन को वर्ष 2013-14 से प्रारंभ किया गया है। यह करीब 30 एकड़ में फैला हुआ है। इस बटालियन की अधिकांश कंपनी नक्सल प्रभावित क्षेत्र में ड्यूटी कर रहीं है। यहां के ज्यादारत जवान दूसरे प्रदेश के है।

नहीं थम रहे भालुओं के हमले खेत गए युवक पर हमला

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मरवाही वन मंडल में भालुओं के हमले थमने का नाम ही नही ले रहे हैं। ताजा मामला मरवाही के झिरना पोड़ी गांव में सामने आया है। यहां घर के पास मादा भालू ने एक युवक पर हमला कर दिया। हमले में युवक को गंभीर चोट आई है। जिसके बाद परिजन युवक को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद युवक को बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर सिम्स रेफर कर दिया गया है। दरअसल पूरा मामला मरवाही वन मंडल के मरवाही परिक्षेत्र स्थित झिरनापोड़ी गांव के खुमान टोला का है। जहां पर रहने वाले श्रीकांत पेशे से किसान हैं और रोज की तरह वो खेती किसानी का काम निपटाने के बाद घर पहुंचे। उंसके बाद घर के पास टहल रहे थे। उसी दौरान एक मादा भालू ने श्रीकांत पर हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने शोर मंचा कर किसी तरह भालुओं को वहां से भगाया और श्रीकांत को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने श्रीकांत का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया है।

शराब तस्करों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, छह गिरफ्तार

कोंडागांव। कोंडागांव पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने अंतर्राज्यीय शराब तस्करी में संलिप्त 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। मध्यप्रदेश से तस्करी कर लाई जा रही अवैध अंग्रेजी शराब और घटना में प्रयुक्त वाहनों सहित 15 लाख से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद स्कूटी पर एक व्यक्ति दो काले रंग की कारों के साथ रायपुर से जगदलपुर की ओर अवैध शराब ले जा रहा है। पुलिस ने नारायणपुर तिराहा मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी कर संदेहास्पद वाहनों को रोका। पूछताछ में आरोपियों ने शराब तस्करी में संलिप्तता स्वीकार की। तलाशी के दौरान, बोलेनो कार से 26 पेटी शराब और दूसरी कार से 26 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जबकि स्कूटी की डिक्की से 1 लाख रुपये नकद मिला। आरोपियों में 1. संजय सिंह (37), कोण्डागांव 2. दिनेश लहरे (37), जगदलपुर 3. राजु कुमार रोटे (43), छोटे तोकापाल, बस्तर 4. वेदांत चौरसिया (23), भिलाई 5. बलजीत सिंह (48), भिलाई 6. विष्णु दास (40), बगदही, धमतरी हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से भरा छोटा हाथी पलटा

सक्ति। हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम परसाद गैस एजेंसी के पास तेज रफ्तार छोटा हाथी वाहन पलट गया। वाहन में 18 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महिलाएं एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में शामिल होने जा रही थी। जानकारी अनुसार, हसौद थाना क्षेत्र के अंतर्गत में ग्रामीणों से भरा छोटा हाथीअनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन में सवार सभी महिलाएं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। गाड़ी से हड़ताल के लिए सभी महिलाएं सक्ति जा रही थी। 18 महिलाएं गाड़ी में सवार थी। राहगीरों एवं हसौद पुलिस की मदद से सभी को बाहर निकाला गया। सभी महिलाओं को जैजैपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई हैं, जिन्हें भर्ती कराया गया है। वहीं, एख महिला को बिलासपुर रेफर किया गया, जिसकी हालात गंभीर बताई जा रही है। वहीं, हादसे के पीछे चालक की लापरवाही बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि चालक नशे में था।

नशे की लत ने बनाया बेटे को पिता का कातिल

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के रिटायर कर्मचारी की हत्या उसके ही बेटे ने कर दी। पुलिस के मुताबिक नशे की हालत में बेटे ने अपने ही पिता की हत्या फावड़ा मारकर कर दी। पुलिस ने हत्या के आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मृतक घर में सो रहा था तभी दबे पांव शराबी बेटा आया और फावड़े का जोरदार प्रहार अपने पिता पर कर दिया। जानलेवा हमले में पिता की मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी बेटा फरार हो गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर ने बताया कि मृतक श्याम नारायण सिंह बीएसपी से रिटायर कर्मचारी रहे। वारदात वाले दिन वो घर में सो रहे थे। इसी दौरान चार पुत्रों में से एक पुत्र करण नारायण सिंह ने मौके पर पहुंचकर उनकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मृतक के सबसे बड़े बेटे ने थाने में दी। घटना की सूचना मिलते ही खुर्सीपार थाना पुलिस ने फरार आरोपी को धरदबोचा। शुरुआती जांच पड़ताल में चला है कि आरोपी बेटा नशेड़ी है और नशे की हालत में हमेशा रहता है।

क्रिश्चियन मोर्चा के राष्ट्रीय और प्रदेश प्रभारी सहित 5 पर एफआईआर दर्ज

- रजवार समाज को गुमराह कर लिया था भवन

अंबिकापुर। अंबिकापुर के गांधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर स्थित रजवार भवन में बीते बुधवार को आयोजित एक क्रिश्चियन समाज के कार्यक्रम को लेकर मामला गरमाया हुआ है। रजवार समाज ने इस कार्यक्रम का विरोध करते हुए आरोप लगाया था कि उन्हें गुमराह करके भवन का उपयोग किया गया है। इसके बाद पुलिस ने क्रिश्चियन मोर्चा के राष्ट्रीय और प्रदेश प्रभारी सहित पांच पर एफआईआर दर्ज कर लिया है। इनमें राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रभारी विलास खरात, राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा के सुनील डोंगरदिवे, प्रदेश प्रभारी अरविंद कच्छप, भारत मुक्ति मोर्चा के ब्लासियूस तिग्गा और रंजीत बड़ा के नाम शामिल हैं।

बता दें, बीते बुधवार को राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा द्वारा गंगापुर के रजवार भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान दो समाजों के

लोग आमने-सामने आ गए, जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत करा कर कार्यक्रम को बीच में रोक दिया।

वहीं इस मामले को लेकर रजवार समाज के सदस्यों ने गुरुवार को एसपी और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। रजवार समाज की शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि कार्यक्रम में शामिल कुछ कार्यकर्ताओं ने यातायात पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी। इन वर्दीधारी कार्यकर्ताओं ने रजवार समाज के लोगों के साथ धक्का-मुक्की की और उन्हें धमकाया। पुलिस वर्दी का अनाधिकृत उपयोग करने पर भी आरोप लगाए गए हैं।

इस कार्यक्रम का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल हो गया है, जिसमें धर्म विशेष को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। इस वीडियो के कारण सोशल मीडिया पर विरोध के आवाज भी उठने लगे हैं। विशेषकर, एक समाज विशेष पर की गई टिप्पणियों को लेकर स्थानीय समुदाय में आक्रोश बढ़ गया है और आयोजकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। फिलहाल पुलिस इस मामले में 5 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी गई है। अंबिकापुर पुलिस ने इस मामले में पूरी निष्पक्षता से जांच और कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

कार और बाईक से बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त

- नशे के खिलाफ पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 2 अंतर्राज्यीय तस्कर समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में पुलिस को नशे के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। जिले की दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में पुलिस ने गाड़ियों की चेकिंग के दौरान कुल 52 किलोग्राम गांजा बरामद कर 2 अंतर्राज्यीय तस्करों समेत 3 तस्करों को गिरफ्तार किया है।

बता दें, जिले की देवभोग पुलिस खुटगांव चेक पोस्ट के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक यूपी पासिंग वैगनआर कार को रोका और तलाशी तो कार से 34 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस

ने गांजा जब्त कर कार में सवार 2 अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। देवभोग थाना प्रभारी गौतम गावड़े ने बताया कि तस्कर ओडिशा से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में खपाने जा रहे थे। गांजा तस्करी के आरोपियों के नाम- शैलेन्द्र कुमार और हरिओम है। यह दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। इन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

वहीं गांजा तस्करी के खिलाफ पुलिस की दूसरी कार्रवाई जिले के छुरा थाना क्षेत्र में की गई। पुलिस ने एक बाइक से तस्करी करने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से सूचना के आधार पर बाईक की तलाशी ली जिसमें 18 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा जब्त कर अभनपुर निवासी आरोपी योगेश साहू को गिरफ्तार कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने पोस्टर के जरिए भूपेश बघेल पर किया हमला

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी का कांग्रेस के

खिलाफ पोस्टर वार जारी है। ताजा घटनाक्रम में पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए पोस्टर जारी किया है। इस पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पलटवार करते हुए कहा कि जब भी भाजपा विफल होती है, तो दूसरों को दोष देती है। छत्तीसगढ़ भाजपा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए अपने पोस्ट में पोस्टर जारी किया है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अपराधियों से साठगांठ का आरोप लगाते हुए लिखा है 'अपराधियों का आका - ठगेश काका। इस पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पलटवार करते हुए कहा कि जब भी भाजपा विफल होती है, तो दूसरों को दोष देती है। अपराध रोकने की बात छोड़ दीजिए। वहीं गुरुवार को वैशाली नगर भाजपा विधायक रिकेश सेन के युवक का जबड़ा पकड़ते वायरल वीडियो के हवाले से कहा कि अगर कोई जनता अपने जनप्रतिनिधि के पास जाती है, तो गला पकड़कर दादागिरी करते हैं।

निर्वाचन आयोग के पास शिकायत लेकर पहुंचा कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल

रायपुर। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने

शासकीय आंगन बाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव के मतदाता पर्ची में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सुनील सोनी के नाम से मतदाता पर्ची को संलग्न कर वितरण किये जाने की शिकायत मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से किया। शिकायत में कहा गया है कि वर्तमान समय में रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू है ऐसे स्थिति में निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदाता पर्ची जो मतदाताओं को दिया जाना है उक्त मतदाता पर्ची शासकीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में वितरित किया जा रहा है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सुनील सोनी के नाम के मतदाता पर्ची को भी संलग्न किया गया है, जो कि आदर्श आचार संहिता का घोर उल्लंघन है।अतः निवेदन है कि निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदाता पर्ची जिसे शासकीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में वितरण किया जा रहा है। उसमें भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के फोटो और नाम वाले पर्ची को तत्काल हटाते हुये वितरण किया जाये। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में डॉ. देवा देवांगन, कु. शमीम रहमान, राम सोनकर, सादिक अली, इन्द्रजीत सिंह ठाकुर, ज्ञानेश्वर उपस्थित थे।

सौम्या चौरसिया अब आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार

रायपुर। पिछले 21 महीने से कोल घोटाले में

जेल में बंद पूर्व अधिकारी सौम्या चौरसिया को एसीबी ने एक बार फिर गिरफ्तार कर लिया है। इस बार आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया गया। एसीबी ने सौम्या को आज विशेष न्यायालय में पेश किया। जहां से सौम्या को 10 दिन की रिमांड पर ब्यूरो को सौंप दिया गया। बीते जुलाई में आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर सौम्या और उनके परिजनों के नाम की 50 से अधिक अचल संपत्तियां अटैच की थी। सौम्या की चार से अधिक जमानत याचिका पहले ही खारिज हो चुकी है।

सीएम साय ने बलौदाबाजार भाटापारा को दी सौगात

60 करोड़ 20 लाख 21 हजार रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

बलौदाबाजार भाटापारा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शुक्रवार को एक दिवसीय प्रवास के दौरान जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में पहुंचे। इस दौरान वह जिले के 60 करोड़ 20 लाख 21 हजार रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें कुल 32 करोड़ 32 लाख 12 हजार रुपये के 16 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 27 करोड़ 88 लाख नौ हजार रुपये के 32 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तीन केएलडब्ल्यू फिकल स्लज मैनेजमेंट प्लांट निर्माण कार्य सुहेला 24.70 लाख, सी.सी.रोड निर्माण कार्य सलौनी 7 लाख, सी.सी.रोड सह नाली निर्माण कार्य सकरी 5.20 लाख,नगरीय निकाय विभाग द्वारा बलौदाबाजार शहर विभिन्न वार्डों में सी.सी.रोड, आर.सी.सी. नाली, बी.टी. रोड एवं अन्य निर्माण कार्य 221.23 लाख, विभिन्न वार्डों में सी. सी. रोड, आर.सी.सी. नाली, बी.टी. रोड, बस स्टैण्ड उन्नयन एवं अन्य निर्माण कार्य 299.77 लाख, निकाय क्षेत्रांतर्गत मेन रोड डिवाईडर में सौन्दर्गीकरण 23 लाख, वार्ड क्र. 02 मिनीमाता उद्यान परिसर में अटल परिसर निर्माण 27.61 लाख, निकाय क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्र. 02, 05, 06, 10, 15, 17, 18 एवं 20 में पाईप लाईन विस्तार कार्य 66.64 लाख, लोक निर्माण विभाग द्वारा बलौदाबाजार में नवीन जिला परिवहन कार्यालय भवन का निर्माण 174.41 लाख, शासकीय डी. के. महाविद्यालय बलौदाबाजार में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण 111.53 लाख, वि.ख. सिमगा के ग्राम नवापारा में पशु

चिकित्सालय भवन का निर्माण 16.66 लाख।

सखी वन स्टॉप सेंटर कार्यालय हेतु भवन निर्माण 60 लाख, छ.ग. ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण द्वारा बलौदाबाजार से पुरैना खपरी सड़कों का नवीनीकरण कार्य 282.06 लाख, 03 टी 010 से ढनढनी सड़कों का नवीनीकरण कार्य 254.96 लाख, पड़कीडीह से टेकारी सड़कों का नवीनीकरण कार्य 145.77 लाख, कार्यपालन अभियंता जल प्रबंध संभाग क्रमांक 02 बलौदाबाजार द्वारा बलौदाबाजार नहर के वितरक क्रमांक 21 एवं उनकी माईनर का रिमॉडलिंग लाईनिंग एवं पक्के संरचनाओं का पुनर्निर्माण कार्य 1511.58 लाख रूपये का भूमिपूजन शामिल है।

इसी तरह पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा स्वामी आत्मानंद वाचनालय एवं पुस्तकालय भवन निर्माण कार्य बलौदाबाजार 40 लाख, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य (गोड़ पारा) खैरताल 5 लाख, रंगमंच निर्माण कार्य (गोंड़ पारा) पौसरी 3 लाख, मुक्तिधाम (सौदागृह एवं प्रतिक्षालय निर्माण) देवरी 4 लाख, सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य चरोटी 6.50 लाख, आंगनबाड़ी भवन निर्माण केन्द्र क्रमांक-2 देवरी 3 लाख, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य भरसेला (बड़ा) 5 लाख, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य मगरचबा 5 लाख, व्यावसायिक परिसर निर्माण कार्य (नायकटाड़) पंचायत लटुवा 8.35 लाख, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य (कर्मा माता) कंजी 10 लाख, सामुदायिक भवन निर्माण कार्य (तालाब पार में) कंजी 5 लाख, नगरीय निकाय विभाग द्वारा विभिन्न वार्डों में बी. टी. रोड निर्माण कार्य (16 कार्य) 99.98 लाख।

वार्ड क्र. 02 कलेक्ट्रेट से पंडित चक्रपाणी हाई स्कूल होते हुए नया बस स्टैण्ड उद्यान तक बी.टी. रोड निर्माण 106 लाख, नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार क्षेत्रांतर्गत पाईप लाईन विस्तार 62.2 लाख, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना भरसेला (बड़ा) 121.77 लाख, एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना भरसेली 108.69 लाख, एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना ढाबाडीह 64.06 लाख, रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना रसेड़ी 177.13 लाख, एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना सलोनी 154.25 लाख, एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना शुक्लाभाठा 119.21 लाख, एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना जांगडा 170.26 लाख, रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना करही (चंडी) 90.48 लाख, लोक निर्माण विभाग द्वारा खिलोरा से मुड़पार मार्ग का निर्माण लं. 2.50 कि.मी 276.81 लाख।

बिलाईडबरी से गोरदी मार्ग का निर्माण लं. 4.00 कि.मी. 411.50 लाख, बलौदाबाजार में दिव्यांगजनों के लिए सामुदायिक रैन बसेरा (नि:शक्तजन कल्याण केन्द्र) भवन निर्माण कार्य 12.32 लाख, विकासखण्ड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम दशरमा में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण कार्य 28.51 लाख, सैहा से चांपा पहुंच मार्ग का निर्माण लं. 2.5 कि.मी. 307.64 लाख, शिक्षा विभाग द्वारा विकासखण्ड सिमगा में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य 03 नग शास. हायर सेकेण्डरी स्कूल शिकारी केसली 276.81 लाख, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कारर्पोशन लिमिटेड द्वारा 20 बेड आइसोलेशन वार्ड जिला हास्पिटल बलौदाबाजार 74.56 लाख, यूएचडब्ल्यूसी पुरानी बस्ती लटुवापारा बलौदाबाजार 25 लाख, सहकारिता विभाग प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधी केन्द्र अमेरा 3 लाख एवं प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधी केन्द्र लाहोद 3 लाख रूपये का लोकार्पण शामिल है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 2100 स्वीकृति सह भूमिपूजन एवं 51 हितग्राहियों चाबी सौंपेंगे। इसी तरह हम होंगे कामयाब अभियान अंतर्गत 51 युवाओं दिया जाएगा। अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया।

जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई, ई-वे बिल के बिना दो ट्रकों में रायपुर पहुंचा समान जब्त

रायपुर। स्टेट जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को जीएसटी विभाग ने राजधानी रायपुर में बिना ई-वे बिल के पहुंचे समान पर कार्रवाई करते हुए दो ट्रक सामान जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, नागपुर से बिना ई-वे बिल के दो ट्रकों में रायपुर लाए गए सामान में मोबाइल एसेसरी, स्पीकर, स्मार्टवॉच और कपड़े की खेप पकड़ी गई है। करीब दो दर्जन कारोबारियों ने यह सामान मंगवाया था, लेकिन जीएसटी नियमों के उल्लंघन के

कारण स्टेट जीएसटी विभाग की टीम ने दोनों ट्रकों को जब्त कर लिया और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

मतदाता जागरूकता पर जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक

रायपुर। महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा मतदाता जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जागरुकता रैली महंत महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर सिटी कोतवाली, नगर निगम, महिला थाना से गांधी चौक मैदान में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति के साथ हुई नाटक के माध्यम से किसी भी प्रकार के लोभ व फर्ज़ी वादे से दूर रहने की शिक्षाप्रद अभिव्यक्ति दी गई । महाविद्यालय के समीप स्थित चावड़ी में यह आयोजन किया गया भारी संख्या में मजदूरों एवं राहगीरों द्वारा बच्चों का उत्साह वर्धन किया गया।

रैली में महाविद्यालय के प्राचार्य

डॉ.देवाशीष मुखर्जी,प्राध्यापक प्रो.ललित मोहन वर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ.लक्ष्मीकांत साहू ,डॉ अर्चना मोडक, डॉ श्रुति तिवारी, प्रो. सोमा गोस्वामी,डॉ.जया चंद्रा, प्रो.आशीष शर्मा,डॉ श्वेता महाकालकर, डॉ चरणजीत, प्रो. अपूर्वा शर्मा ने भाग लिया। नुक्कड़ नाटक में रासेयो स्वयंसेवक विकास रजक, अमन पांडेय, मिथलेश द्विवेदी, अस्फिया खान, ग्रेसी पात्रा, अलका यादव, खुशबू पांडेय, खुशबूमहानंद, पायल देवांगन, रेशमी साहू, डाली, प्रिंस, शिवम, रूपेश एवं महेंद्र ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक की विशेष भूमिका रही।

मतदान से एक दिन पहले और मतदान दिवस के दिन प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों का प्रमाणन जरूरी

प्रकाशन तिथि से तीन दिन पहले एमसीएमसी को देना होगा आवेदन

रायपुर। सभी राजनैतिक दलों, रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के लिए उप निर्वाचन लडने वाले सभी प्रत्याशियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देश अनुसार मतदान दिवस एवं मतदान से एक दिन पूर्व मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों के विज्ञापनों का प्रमाणन मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) से अनिवार्य रूप से कराना होगा। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने जरूरी निर्देश भी जारी किए है।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उप निर्वाचन में 13 नवम्बर बुधवार को वोट डाले जाएंगे, इसे देखते हुए 12 व 13 नवम्बर को प्रिंट मीडिया में प्रकाशित किए जाने वाले ऐसे तमाम राजनीतिक विज्ञापनों को राज्य स्तर या जिला पर गठित प्रमाणन व मीडिया निगरानी समिति (एमसीएमसी) से पूर्व-प्रमाणीकरण कराना अनिवार्य है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए है। इन दोनों दिन राजनीतिक लाभ लेने व मतयाचना के लिए राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों द्वारा समाचार-पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराया जाता है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य स्तर पर एक राज्य स्तरीय एमसीएमसी कमेटी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा गठित की गई है, राज्य स्तरीय कमेटी में राजनीतिक दलों द्वारा प्रकाशित कराये जाने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का प्रमाणीकरण कराया जा सकता है, इसके साथ ही हर जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिला स्तर पर एमसीएमसी कमेटी गठित है। विधानसभा उप निर्वाचन लडने वाले प्रत्याशी अपने राजनीतिक विज्ञापनों को जिला स्तरीय समिति से प्रमाणीकरण करा सकते हैं। इसके लिए प्रत्याशियों को विज्ञापन प्रकाशन की प्रस्तावित तिथि से 3 दिन पहले तक विज्ञापन के प्रारूप की तीन प्रतियों के साथ निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत करना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मीडिया प्रमाणन का मूल आधार आदर्श आचार संहिता के पालन से जुड़ा है। मीडिया में ऐसा कोई विज्ञापन नहीं दिया जाएगा जो सामाजिक समरसता को बिगाडने अथवा तनाव को बढ़ाने, शांति भंग करने, संविधान और कानून के विपरीत, नैतिकता, सदाचार के विपरीत हो। किसी की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने वाले विज्ञापनों के प्रकाशन पर भी रोक रहेगी। कलेक्टर ने बताया कि मतदान के दिन और मतदान से एक दिन पहले मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापन का समिति द्वारा प्रमाणन कराया जाना आवश्यक है। इन विज्ञापनों में प्रिंट मीडिया, टीवी चैनल, केबल टीवी चैनल, रेडियो (निजी एफएम सहित), सिनेमा घर, ई-समाचार पत्र, बल्क एवं वाईस एसएमएस एवं सार्वजनिक स्थलों पर दृश्य-श्रव्य माध्यम शामिल है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार हेतु सरल क्र. 1 से 2 हेतु दिनांक 18.11.2024 तक एवं सरल क्र. 3 से 24 हेतु दिनांक 25.11.2024 तक निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.आ.सू. क्र. / दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख मे)
1	249	सारंगढ़ उपसंभाग के मुख्यालय सारंगढ़ अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।**	30.00
2	250	रायगढ़ उपसंभाग के अंतर्गत् तमनार, हमीरपुर सेक्शन 1, 2 एवं महापल्ली सेक्शन में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेच मरम्मत का कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।**	40.00
3	251	जिला मुंगेली के मुख्य मार्ग से पूर्व माध्यमिक स्कूल कारीडोंगरी तक सी.सी. पहुंच मार्ग लंबाई 0.70 कि.मी. का निर्माण कार्य। (वास्तविक लं. 0.60 कि.मी.) **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	68.31
4	252	जिला मुंगेली के हेडपुल अखरार से घानाघाट तक सी.सी. पहुंच मार्ग लंबाई 1.875 कि.मी. का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	145.15
5	253	जिला मुंगेली के घानाघाट से उरईकछार तक पहुंच मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 1.20 कि.मी.। (वास्तविक लं. 0.70 कि.मी.) **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	84.38
6	254	जिला मुंगेली के भटगांव पहुंच मुख्य मार्ग का मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य लंबाई 1.30 कि.मी.। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	144.97
7	255	जिला मुंगेली के विकासखण्ड लोरमी के मनकी डबरी से उरईहा नवरंगपुर पहुंच मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	102.87
8	256	पसरवारा से नारायणपुर तक पहुंच मार्ग लंबाई 1.875 कि.मी. का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	190.98
9	257	देवरहट से हरनाचाका तक पहुंच मार्ग लंबाई 1.75 कि.मी. का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंमेली संभाग।**	168.75
10	258	बैजलपुर से बोदोफाल पहुंच मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी. का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	133.02
11	259	धोबघट्टी से बस्ती तक पहुंच मार्ग लंबाई 1.50 कि.मी. का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	189.59
12	260	बघमार से अमलडीहा बस्ती तक पहुंच मार्ग लंबाई 0.625 कि.मी. का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	64.38
13	261	भटलीखुर्द (सेमरसल) से बहटा मार्ग लंबाई 1.10 कि.मी. का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	132.46
14	262	गैजी गांव से चितावर तक पहुंच मार्ग लंबाई 1.735 कि.मी. का निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	177.33
15	263	जिला मुंगेली के हथनीकला से ढोढमा मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 3.00 कि.मी. (वा.लं. -- 1.75 कि.मी.)। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	135.62
16	264	जिला मुंगेली के डोमनपुर से ढोढमा मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 1.60 कि.मी. (वा.लं. – 1.65 कि.मी.)। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	164.04
17	265	जिला मुंगेली के नवरंगपुर से डिंडौरी-डी-3 नहर में आवास मुहल्लापुर ब्रिज तक मार्ग निर्माण लंबाई 1.20 कि.मी.। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग।**	98.25
18	266	जिला सारंगढ़ के मुख्य मार्ग से पंचधार पहुंच मार्ग लं. 1.00 कि.मी. निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।**	119.37
19	267	जिला सारंगढ़ के सांकरा पहुंच मार्ग लं. 1.50 कि.मी. निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।**	143.55
20	268	जिला सारंगढ़ के साल्हेओना से धानमंडी से बिजली सब स्टेशन तक मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. निर्माण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।**	116.37
21	269	मुख्यमंत्री शासकीय अस्पताल रूपांतरण कोष अंतर्गत् जिला चिकित्सालय रायगढ़ के गायनिक रोग विभाग खंड के जीर्णोद्धार कार्य। **प्रथम आमंत्रण। रायगढ़ संभाग।**	200.00
22	270	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग कोरबा अंतर्गत् मार्गों में विशेष मरम्मत, मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण तथा पुल – पुलियों का विशेष मरम्मत कार्य। **प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग।**	25.00
23	271	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग भैसमा अंतर्गत् मार्गों में विशेष मरम्मत, मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण तथा पुल – पुलियों का विशेष मरम्मत कार्य। **प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग।**	25.00
24	272	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग क्र. 1 कटघोरा अंतर्गत् मार्गों में विशेष मरम्मत, मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण तथा पुल – पुलियों का विशेष मरम्मत कार्य। **प्रथम आमंत्रण। कोरबा संभाग।**	25.00

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि. बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

जी-242503636/9

विधायक रिकेश सेन प्रकरण पर कांग्रेस विधायक निषाद की तीखी प्रतिक्रिया

■ कहा- सत्ता के नशे में चूर है भाजपा

रायपुर। भिलाई वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन ने तालाब के नामकरण को लेकर विरोध जता रहे युवक का जबड़ा पकड़ लिया था। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस विधायक कुंवर सिंह निषाद ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब से बीजेपी की सरकार छत्तीसगढ़ में आई है, सत्ता के नशे में चूर है। सभी अहंकार में डूबे हुए हैं। इन्हें जनता और विकास से कोई मतलब नहीं है।

गुंडरदेही से कांग्रेस विधायक कुंवर सिंह निषाद ने मीडिया से चर्चा में कहा कि तालाब के नाम बदलना उनकी कुंठित मानसिकता का प्रतीक है। किसी दूसरे के धार्मिक मान्यताओं पर ऐसा करना सही नहीं है। वो छत्तीसगढ़ की संस्कृति और सभ्यता को नहीं बदल सकते हैं।

इसके पहले विधायक रिकेश सेन ने घटना पर अपनी सफाई देते हुए कहा था कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि तालाब पहले से ही स्व. देवदास बंजारे के नाम पर था। इसके साथ उन्होंने मुद्दे को भिलाई नगर निगम के एमआईसी में ले जाने की बात कही। वहीं भाजपा नेता राजीव चक्रवर्ती ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस वीडियो को तोड़-मरोड़कर पेश कर दुष्प्रचार कर रही है, जबकि घटना के बाद दोनों पक्ष आपसी सहमति से बैठकर बात कर चुके हैं।

इस मामले में सोशल मीडिया में भी बवाल मचा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने घटना का वीडियो एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जो युवक का धमका रहा है वह भाजपा विधायक रिकेश सेन है, और जिनसे बात हो रही है वह छत्तीसगढ़ की जनता है। यही है भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा। इसके साथ बहुत से दूसरे यूजर ने भी पूरे घटनाक्रम पर सोशल मीडिया में तीखी प्रतिक्रिया दी है। वहीं विधायक रिकेश सेन के वायरल वीडियो पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने सरकार को घेरते हुए कहा कि इस सरकार के विधायक सत्ता के नशे में चूर हो गये हैं। देश-प्रदेश की राजनीति में बीजेपी विफल होती है, तो दूसरों को दोष देती है। अपने विधायकों को नहीं रोक पा रही सरकार। अपराध क्या रोकेगी।

बैज ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि के पास जनता जाती है, तो गला पकड़कर दादागिरी की जाती है। ईश्वर साहू के बेटे ने भी मारपीट की, स्वास्थ्य मंत्री पत्रकार को धमका रहे हैं। इस हरकत से साफ़ है कि विधायक सत्ता के नशे में चूर हो चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष के नाते घटना की निंदा करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता देख रही है।

कांग्रेस के बयान पर पलटवार बीजेपी प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा देश के अंदर व्यवस्था है, कानून है, संविधान है। आम नागरिक को अपनी राय रखने का अधिकार है। इस मामले पर सवाल होने चाहिए, सही-गलत पर चर्चा होनी चाहिए। मैंने भी वीडियो देखा, किसी भी तरह का आपत्तिजनक विषय नहीं है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि विधायक, सांसद या जनप्रतिनिधि भी मानव हैं। कांग्रेस मानसिक रूप से दिवालिया हो चुकी है, इसलिए छोटे-छोटे मुद्दों पर विवाद कर रही है। कांग्रेस पहले जवाब दे कि अपराधिक घटनाओं में उनके लोग क्यों शामिल हैं?

बता दें कि कुरूद के नकटा तालाब (स्व। देवादास बंजारे) का नामकरण बिहार की लोक गायिका शारदा सिन्हा के नाम पर करने से नाराज ग्रामवासी अपना विरोध दर्ज कराने गुरुवार को विधायक रिकेश सेन के कार्यालय में पहुंचे थे। चर्चा के दौरान विधायक रिकेश सेन ने एक युवक का जबड़ा पकड़ लिया था, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है।

कांग्रेस की धर्मनिरपेक्षता का चेहरा बेनकाब

नीरज कुमार दुबे

अपनी संसदीय पारी शुरू करने के लिए केरल के वायनाड से लोकसभा का उपचुनाव लड़ रहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर केरल के मुख्यमंत्री ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि वह जमात-ए-इस्लामी के समर्थन से चुनाव लड़ रही हैं। केरल के मुख्यमंत्री और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता पिनराई विजयन ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि वायनाड उपचुनाव से ''कांग्रेस पार्टी के धर्मनिरपेक्ष नकाब का पूरी तरह पर्दाफाश हो गया है।'' हम आपको बता दें कि अपनी फेसबुक पोस्ट में विजयन ने कहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा जमात-ए-इस्लामी की मदद से उम्मीदवार के तौर पर मैदान में हैं। उन्होंने सवाल किया है कि इस मामले में कांग्रेस का रुख क्या है? विजयन ने कहा है कि हमारा देश जमात-ए-इस्लामी से अनभिज्ञ नहीं है। क्या इस संगठन की विचारधारा लोकतांत्रिक मूल्यों से मेल खाती है? विजयन ने आरोप लगाया है कि यह संगठन देश या उसके लोकतंत्र का सम्मान नहीं करता और देश के शासन की संरचना की अवहेलना करता है। विजयन के आरोप पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि कांग्रेस समाज के हर वर्ग के साथ काम करने में विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री को इस चुनाव में बड़े पैमाने पर हार का डर है, इसलिए वह ऐसी बातें कर रहे हैं। वैसे यहां सवाल उठता है कि यह जमात-ए-इस्लामी संगठन है क्या? हम आपको बता दें कि बीसवीं सदी के प्रमुख इस्लामी प्रचारक अबुल आला मौदूदी कट्टरवादी विचाराधारा के थे। जिहादी विचारधारा को बढ़ावा देने वाले अबुल आला मौदूदी दुनिया में हर जगह गैर मुसलमानों के नरसंहार का आह्वान करते थे। अबुल आला मौदूदी की विचारधारा से प्रभावित होकर ही इंडियन मुजाहिदीन, जेकेएलएफ, हुर्रियत, रजा अकादमी, सिमी और द पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया आदि जैसे संगठन भी बने थे। उन्होंने ही जमात-ए-इस्लामी नामक एक प्रमुख मुस्लिम धार्मिक संगठन की स्थापना की थी। जहां तक कांग्रेस के धर्मनिरपेक्ष नकाब की बात है तो आपको बता दें कि वह समय-समय पर उतरता ही रहता है। कांग्रेस सिर्फ धर्मनिरपेक्षता की बात ही करती है लेकिन उसने समय-समय पर सत्ता के लिए सांप्रदायिक ताकतों से हाथ मिलाने में जरा भी देरी नहीं की। कांग्रेस पार्टी का दोहरा चरित्र देखिये कि एक ओर वह दक्षिण और पूर्वोत्तर में मुस्लिमों का मत पाने के लिए कट्टरपंथी मुस्लिम पार्टियों के साथ समझौता करती है तो दूसरी ओर उत्तर तथा पश्चिम में अपनी हिंदू पहचान को आगे बढ़ाना चाहती है। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने अपनी विचारधारा के विपरीत विचारों वाली शिवसेना के साथ सिर्फ सत्ता के लिए भागीदारी करने में जरा भी संकोच नहीं किया था। सत्ता पाने की बेताबी में कांग्रेस ने आईएसएफ, एआईयूडीएफ और वेलफेयर पार्टी से गठबंधन कर इन्हें धर्मनिरपेक्ष दल होने का तमगा प्रदान करने में एक पल की भी देरी नहीं लगाई थी लेकिन जब इन पार्टियों से गठबंधन का कोई फायदा नहीं हुआ तो इनसे पीछा छुड़ाने के लिए इन्हें भाजपा का एजेंट या भाजपा के इशारे पर काम करने वाले दल का तमगा भी तुरंत ही प्रदान कर दिया था। वैसे कांग्रेस नेतृत्व ने चतुराई दिखाते हुए इन पार्टियों से गठबंधन भी राज्य इकाई के माध्यम से करवाया और साथ छोड़ने का ऐलान भी राज्य इकाई ने ही किया। इस तरह कांग्रेस के प्रथम परिवार ने यह दर्शाने का प्रयास किया कि इस सबसे उनका कुछ लेना-देना नहीं था लेकिन जिस पार्टी में किसी भी राज्य के पार्टी जिलाध्यक्षों की सूची भी केंद्रीय नेतृत्व जारी करता हो वहां किसी दल से चुनावों में गठबंधन कोई राज्य इकाई अपने आप कर लेगी, यह असंभव है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि जुलाई 2018 में एक उर्दू दैनिक इंकलाब ने दावा किया था कि राहुल गांधी ने उस समाचार-पत्र से बातचीत में कांग्रेस को मुस्लिमों की पार्टी बताया था। इस पर काफी विवाद भी हुआ था। सवाल है कि राहुल गांधी ने भले बोला हो लेकिन क्या कांग्रेस वाकई मुस्लिमों की पार्टी है? क्या कांग्रेस को मुस्लिमों की जरा-सी भी चिंता है? मुस्लिमों को सदा वोट बैंक की तरह उपयोग करने वाली कांग्रेस ने इस कौम का राजनीतिक और आर्थिक उद्धार होने ही नहीं दिया तो वह कैसे मुस्लिमों की पार्टी हो गयी ?

भारत के 3 दुश्मनों का जीना होगा दुश्वार

अभिनय आकाश

हार के बाद हार के विलाप और उसके बाद की बगावत के बाद 78 साल के आदमी ने चुनाव लड़ा और एक बार फिर डेमोक्रेटिक पार्टी को शिकस्त दे दी है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बनेंगे ये तय हो गया है। लेकिन इसके साथ ही ट्रंप के कमान संभालने के बाद दुनियाभर में भी बदलाव देखने को मिलेगा। ट्रंप की वापसी ने दुनियाभर में खलबली मचा दी है। यहां तक की उन देशों की बेचैनी भी बढ़ गई है जो बाइडेन प्रशासन के दौरान अमेरिका के करीबी रहे हैं।

वाइट हाउस में ट्रंप की वापसी से भारत और अमेरिका के बीच सामरिक भागीदारी और मजबूत होने की उम्मीद की जा रही है। एक्सपर्ट का कहना है कि ट्रंप 2.0 में क्वाड और मजबूत होगा। क्वाड में ऑस्ट्रेलिया, भारत, अमेरिका और जापान शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन चीन के बढ़ते दबदबे को रोकने की भी कोशिश करेगा, जिसका फायदा भारत को भी मिलेगा। भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, सुरक्षा, काउंटर टेररिज्म और इंटेलिजेंस शेयरिंग की पार्टनरशिप और गहरी होने की उम्मीद। एक्सपर्ट एक अंदेशा भी जता रहे हैं कि ट्रंप चीन समेत कई देशों के माल पर ज्यादा इंपोर्ट ड्यूटी लगा सकते हैं भारत से टेक्सटाइल्स, ऑटोमोबाइल्स और दवाओं का बड़ा निर्यात अमेरिका को होता है। इन पर असर पड़ सकता है। ट्रंप की चीन विरोधी नीति के चलते अमेरिकी कंपनियां चीन के बजाय भारत में निवेश कर सकती हैं।

इस बात पर हर किसी की निगाहें है कि नए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत के साथ कैसा व्यवहार रखते हैं। बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों को लेकर ट्रंप ने खुलकर बयान दिया। भारत से दोस्ती रखना ट्रंप की जरूरत बताई जाती है। अमेरिका चीन को अपना दुश्मन नं 1 मानता है। चीन को घेरने में भारत की मददगार हो सकता है। चीन की विशाल अर्थव्यवस्था का अमेरिका पर भी सीधा असर है। यूरोपीय देशों के बाजार चीनी प्रोडक्ट से अटे पड़े हैं। अपनी विशाल आबादी का चीन ने भरपूर उपयोग किया है। लेबर सस्ती होने और मौसम अनूकुल होने का लाभ उसने भरपूर उठाया है। मैन्युफैक्चरिंग में चीन दुनिया के सभी देशों से आगे हैं। इसलिए चीन के माल को दरकिनार करना आसान नहीं है। इसके अलावा

चीन ने अपनी सैन्य तैयारियों भी तेज कर रखी है। साल 2027 तक चीन ताइवान पर कब्जा करना चाहता है। इसके लिए चीन अपनी सैन्य शक्तियों में भी लगातार इजाफा कर रहा है। उसके युद्धपोत लगातार ताइवान को घेरकर उसे डराते रहते हैं। लेकिन ताइवान की ढाल बनकर अमेरिका खड़ा नजर आता है। चीन अगर कोई हिमाकत करता है तो ट्रंप को ताइवान को बचाने के लिए सेना भेजनी ही पड़ेगी। इसके साथ ही ट्रंप चीन के खिलाफ ट्रेड वार को तेज कर सकते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए भारत और अमेरिका के रिश्ते बहुत मजबूत हुए थे। बाइडेन-कमला हैरिस के कार्यकाल में दोस्ती को बनी रही। लेकिन टकराव भी हुआ। जैसे इस वक्त कनाडा से भारत के टकराव और आतंकी पन्नू को लेकर भारत और अमेरिका के रिश्ते में टकराव दिख रहा है। जबकि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए भारत और अमेरिका की दोस्ती ज्यादा मजबूत नजर आई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नीतियां अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी से काफी मेल खाती हैं, ऐसे में उम्मीद करना चाहिए कि ट्रंप के आने से भारत को कनाडा पर दबाव बनाने में मदद मिलेगी। आपको याद होगा जब पिछले हफ्ते कनाडा के हिन्दू मंदिर पर हमला हुआ, तो डोनाल्ड ट्रंप ने तुरंत आलोचना की थी। उनके बयान के बाद ही जस्टिन ट्रूडो के सुर बदले नजर आए थे। तुरंत उनका भी बयान आया और हमले की निंदा की गई थी। इसके बाद कार्रवाई भी हुई और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। खालिस्तान मुद्दे को लेकर भी ट्रंप का रुख साफ है। वे इस मामले मे किसी भी तरह की हिंसा नहीं चाहते।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर मैं चुनाव जीत गया तो रूस और यूक्रेन की जंग को 24 घंटे में बंद करा दूंगा। भले ही 24 घंटे में ऐसा संभव नहीं हो पाए। लेकिन इसके पीछे ये साफ संकेत है कि यूक्रेन को सपोर्ट जरूर बंद या कम किया जा सकता है। जैसे ही अमेरिकन सपोर्ट यूक्रेन को कम होगा तो ये जाहिर सी बात है कि शांति वार्ता की पहल तेज हो जाएगी। नाटो और अमेरिका के समर्थन से ही यूक्रेन रूस के साथ अभी तक युद्ध में टिका हुआ है। इस बात की संभावना काफी तेज है कि ट्रंप के सत्ता संभालते ही यूक्रेन को सपोर्ट कम होगा और युद्ध बंद होने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। रूस पहले ही यूक्रेन की बहुत बड़ी जमीन पर कब्जा कर चुका है और बिना किसी डील के अगर युद्ध बंद होता है तो पुतिन बहुत खुश होंगे। ट्रंप और पुतिन कई बार पहले भी बातचीत कर चुके हैं। अगर जेलेंस्की ट्रंप की बात नहीं मानते हैं तो वह हथियारों की सप्लाई रोक सकते हैं। अमेरिकी हथियारों के बल पर ही यूक्रेन रूस से मुकाबला कर पा रहा है। इसके बाद भी यूक्रेनी सेना अभी बैकफुट पर है।

मीडिल ईस्ट में एक युद्ध का मोर्चा खुला हुआ है। इजरायल का गाजा में छेड़ा गया युद्ध अब उसके आसपास के इलाकों तक फैल चुका है। माना जा रहा है कि इजरायल ट्रंप की वापसी से काफी खुश है। वैसे तो अमेरिकी चुनाव में यहूदियों ने अधिकांश रूप से कमला हैरिस को सपोर्ट किया। लेकिन अब उम्मीद है कि ट्रंप गाजा युद्ध का सर्वमान्य हल निकाल पाएंगे। डॉनल्ड ट्रंप की नीति शुरू से इजरायल को फलस्तीनी अरब बस्तियों पर हमले की खुली छूट देने की रही है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने इजरायल स्थित अमेरिकी दूतावास को वहां की राजधानी तेल अवीव से येरुशलम ले जाने का फैसला किया था, जो एक तरह से संयुक्त राष्ट्र के फैसले को खारिज करते हुए इस प्राचीन शहर पर पूरी तरह से इजरायल का कब्जा घोषित करने जैसा था। 15 सितम्बर 2020 को बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्री इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसे मध्य पूर्व में एक नए युग की शुरुआत के तौर पर देखा गया था। ट्रंप ने कहा था कि हम आज दोपहर यहां इतिहास की दिशा बदलने के लिए यहां आए हैं। दशकों के विभाजन और संघर्ष के बाद हम एक नए मध्य पूर्व की सुबह का प्रतीक हैं।

ट्रंप की वापसी का इजरायल-फलस्तीन युद्ध पर इतना ही असर हो सकता है कि पिछले कई दिनों से ईरान की ओर से इस्राइल पर जवाबी हमले की तैयारियों की जो खबरें आ रही हैं, वे शायद गलत साबित हों और ईरान अपने इस इरादे को हमेशा के लिए ठंडे बस्ते में डाल दे। उसने ऐसा नहीं किया तो उसे पहले से कहीं ज्यादा बड़े अमेरिकी दखल के लिए तैयार रहना होगा। यूं भी ट्रंप का रुख ईरान पर अधिक सख्ती बरतने का रहा है और उनकी वापसी से इस देश को भारी समस्या हो सकती है। गौरतलब है कि भारत ने ईरान के चाबहार में स्थित शाहिद बेहश्ती बंदरगाह टर्मिनल के परिचालन के लिए 10-वर्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इससे भारत को मध्य एशिया के साथ कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। साल 2018 में अमेरिका में रिब्लिकन रूल था और डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति थे। ट्रंप अक्सर धमकियों के जरिए भारत को डराने की कोशिश समय समय पर करते रहते थे। चाहे वो एस 400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम हो या चाबहार पोर्ट से जुड़ा मसला या फिर कोविड-19 के वक्त दवाई की बात हो। ट्रंप की तरफ से कितनी बार कहा गया कि प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, या कोई कार्रवाई की जा सकती है। एक बार तो लग रहा था कि चाबहार और रूस से एस 400 की खरीद के बाद भारत पर कुछ बंदिशें लग सकती हैं। लेकिन भारत की डिप्लोमेसी इतनी अच्छी थी। इसके साथ ही भारत की जरूरत अमेरिका को इतनी ज्यादा थी कि वो किसी भी किस्म की कार्रवाई से बचता रहा। ऐसे में ट्रंप द्वारा ईरान पर कोई भी कदम उठाने से पहले भारत का ध्यान रखना उसकी मजबूरी और जरूरी होगा।

भारत का पड़ोसी मुल्क, जिसके साथ दशकों तक भारत के अच्छे संबंध रहे। जिसके साथ भारत ने पूरी शिद्दत से दोस्ती निभाई लेकिन इस साल अगस्त महीने में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट होते ही बांग्लादेश के सुर बदल गए। हिंदुओं पर वहां लगातार हमले देखने को मिले। उनके घरों, पूजा स्थलों और दुकानों-मकानों को निशाना बनाया गया। डोनाल्ड ट्रंप ने दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि वहां पूरी तरह अराजकता की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मेरे निगरानी में ऐसा कभी नहीं होता।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

सत्रहवें में मेघातिथि ने, अठारहवें में व्रती ने, उन्नीसवें में अत्रि ने, बीसवें में गौतम ने, इक्कीसवे में उत्तम हर्याला ने, बाईसवें में वाजश्रवा ने, तेईसवें में सोमश्रामुष्यायण ने, चौबीसवें में तृणविन्दु ने, पच्चीसवें में भर्गव ने छुम्बबीसचें में शक्ति ने, सत्ताइसवेंमें जातुकर्ण्य और अठ्ठाईसवें में कृष्णद्वैपायन नामक व्यास ने वेदों और पुराणों का सङ्कलन किया था। आगे उनत्तीसवें द्वापर में अश्वत्थामा व्यास होगा! (मत्स्यपुराणोक्त व्यासं नामावली के कई एक नामों में कुछ अन्तर भी है, परन्तु वह इन्हीं व्यक्तियों के नामान्तर मान लेने से अथवा कल्प मैद से सुव्यवस्थित किया जा सकता है)

उपयुक्त संदर्भ से यह निश्चित हुआ कि वर्तमान वाराहकल्प में अठ्ठाईस बार वेदों और पुराणों का संकलन हो चुका है। अन्तिम बार पराशर के पुत्र श्रीकृष्णद्वैपायन जी महाराज ने आज से पांच हजार वर्ष पूर्व वेदादि का संकलन किया था। दूसरे शब्दों में वर्तमान वैद-संहिताएं और पुराण-ग्रन्थ श्रीकृष्णद्वैपायन व्यांस द्वारा ही इस रूप में लेखबद्ध किये गये हैं। प्राय: सभी पुराणों में इस संकलन का वर्णन मिलता है, जिसे पढ़कर श्री व्यास जी के महामहिम कार्य का पता लगता है, यर्थात क्षीणायुष: क्षीण सत्वान्दुर्मेधान्वीक्ष्य कालत: ब्रह्म शाद्यैलोंकपालैर्या चितो धर्मगुप्तये ।। पराशरात्सत्यवत्यामंशांशं कलया विभु:। अवतीर्णो महाभाग! वेदं चक्रे चतुर्विधम्॥ ऋाथवंयजु:साम्नां राशीनुद्धृत्य वर्गश:। चतस्र: संहिताश्चक्र मन्त्रैर्मणिगणा इव।। वासां स: चतुरु: शिष्यानुपाहूय महामति:। एकैकां संहितां ब्रह्मन्नेकेकस्मै ददौ विभु:।। पैलाय संहितामाद्यां बवृचाख्यामुवाच ह। वैशंपायनसंज्ञाय निगदाख्यं यजुर्गणम्।। साम्नां जैमिनये प्राह तथा छन्दोगसंहिताम्। अथागिरसीं नाम स्वशिष्याय सुमन्तवे ॥(श्रीमद्भागवत 12 ।6 147-53)

क्रमश: ...

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस

शौर्य पुंज

सभी नागरिकों के लिये उचित निष्पक्ष और न्याय प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 9 नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस की शुरुआत पहली बार 1995 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिये की गई थी।

इस दिन को विधिक सेवा के तहत प्राधिकरण अधिनियम और वादिकारियों के अधिकार को विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के लिए नि: शुल्क, प्रवीण और कानूनी सेवाओं की पेशकश करना है। यह कमजोर वर्गों के लोगों को

मुफ्त सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने का प्रयास भी करता है।

राष्ट्रीय कानूनी सेवा दिवस के इतिहास के बारे में जानने से पहले आपके लिए ये जानना आवश्यक है कि कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 क्या है, क्योंकि राष्ट्रीय कानूनी सेवा दिवस कि शुरुआत के पिछे इस अधिनियम की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारत के संविधान अनुच्छेद 39 ए और इसकी समिति द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा कानून सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 को अधिनियमित किया गया था। इस अधिनियम को 1994 के संशोधन अधिनियम के बाद 9 नवंबर 1995 में लागू किया गया। इसके बाद से मुख्य अधिनियम के लिए कई संशोधन पेश किए। आपको बता दें कि इस अधिनियम के माध्यम से पिछड़े हुए वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, विकलांग व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। अधिनियम के कारण किसी भी प्राकर से किसी विकलांग या आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति को न्याय से वंचित नहीं रखा जा सकता है। न्याय प्राप्त करने का जिनता अधिकार एक अमीर व्यक्ति या किसी समान्य वर्ग के व्यक्ति को है उतना ही अधिकार एक आम व्यक्ति को है। न्याय प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार का भेद-भाव नहीं है, सभी को उसके समान अवसर दिए जाना इस अधिनियम के अंतर्गत शामिल किया गया है।

नि:शुल्क विधिक सेवाएं प्रदान करने वाले विधिक सेवा संस्थान

राष्ट्रीय स्तर पर- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण

राज्य स्तर पर- राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण। इसकी अध्यक्षता राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है जो इसका मुख्या संरक्षक भी होता है।

जिला स्तर पर- राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण। जिला न्यायाधीश इसका कार्यकारी अध्यक्ष होता है।

उच्च न्यायालय- उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण।

पाकिस्तान की राह पर कनाडा ?

राकेश सैन

कनाडा में जिस तरीके से खालिस्तानी अलगाववादियों व आतंकी तत्वों को खुल कर मनमानी करने का अधिकार मिलता जा रहा है और इस पर वहां की सरकार मौन साधे बैठी है उससे लगने लगा है कि दुनिया में पाकिस्तान के बाद कनाडा ऐसा देश है जो आतंकवाद को आतंकवाद को अपनी स्टेट पॉलिसी में शामिल करता जा रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थों की खातिर कनाडा की ट्रुडो सरकार 'गुड टेरोरिज्म-बैड टेरोरिज्म' का भेद करने की गलती कर रही है। कनिष्क विमान जैसी भयंकर आतंकी हमले की तपिश झेल चुके कनाडा को बहुत ही जल्द खालिस्तानी आतंकी भस्मासुर बने नजर आ सकते हैं, क्योंकि पाकिस्तान इसकी उदाहरण है कि दूसरों के घरों चिंगारी फेंकने वालों के खुद के घर में आग कैसे लगती है।

कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं और इससे वहां रह रहा भारतीय समुदाय विशेषकर हिन्दू समाज इससे सर्वाधिक पीड़ित नजर आरहा है। तीन नवम्बर को वहां ब्रैम्पटन के मन्दिर में खालिस्तान के समर्थकों द्वारा हिन्दू मन्दिर में घुसकर लोगों के साथ हिंसा की गई। वहां परिवार सहित आए निहत्थे लोगों पर खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने लाठियां बरसाईं और आरोप है कि पुलिस के कुछ जवानों ने भी हिंसक भीड़ का साथ दिया। कनाडा में हिन्दू मंदिरों को निशाना बनाने की यह कोई पहली घटना नहीं है।

इसी वर्ष जुलाई में एडमॉण्टन में स्वामीनारायण मन्दिर में तोडफ़ोड़ की गई थी। मन्दिर के गेट और पीछे की दीवार पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थक पोस्टर चिपका दिए गए थे। इस पर आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की तस्वीर भी लगी थी। सरी वेंकुवर का लक्ष्मी नारायण मन्दिर ब्रिटिश कोलम्बिया प्रांत का सबसे पुराना और सबसे बड़ा हिन्दू मन्दिर है। यहां भी पिछले साल तोडफ़ोड़ हुई थी। 2023 में

विण्डसर में एक हिन्दू मन्दिर को क्षतिग्रस्त किया गया था, जिसकी व्यापक निन्दा हुई और कनाडाई और भारतीय दोनों अधिकारियों ने कार्रवाई की मांग की थी। इसी साल जनवरी में वहां गौरीशंकर मन्दिर में तोडफ़ोड़ की गई। जनवरी में ही भगवान जगन्नाथ मन्दिर में भी तोडफ़ोड़ की गई। मिसिसागा हिन्दू हेरिटेज में मुख्य कार्यालय व दानपेटी में तोडफ़ोड़ की गई।

जुलाई में रिचमण्ड हिल व महात्मा गांधी जी की प्रतिमा में तोडफ़ोड़ की। पिछले साल अक्तूबर में डरहम में तीन हिंदू मंदिरों में तोडफ़ोड़ की गई। दिसम्बर 2023 में वेंकुवर में लक्ष्मी नारायण मन्दिर के प्रधान श्रीशेष के घर पर 14 गोलियां बरसाई गईं। लक्ष्मी नारायण मन्दिर के बाहर रास्ता बन्द कर तनाव पैदा किया गया। पिछले साल ही दिसंबर में किचनर के राम धाम मन्दिर में तोडफ़ोड़ की गई। वेंकुवर में नवरात्रों पर मन्दिर में चल रहे कार्यक्रम में खलल डालने की कोशिश, खालिस्तानियों ने मन्दिर के बाहर नारे लगाए। इस साल जनवरी में ब्रैम्पटन में हिन्दू मन्दिर की दीवार पर भारत विरोधी नारे लिखे गए। फरवरी में ओकविले में श्री वैष्णो देवी मंदिर में तोडफ़ोड़ की गई।

कनाडा के हिन्दुओं पर खालिस्तानियों के इस हमले की पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने इस हमले को लेकर कहा है कि अब खालिस्तानियों ने हद पार कर दी है। वहीं, कनाडा के बीसी में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। हिन्दू समुदाय के लोग सडक़ों पर आए और कनाडा सरकार व खालिस्तानियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। बीसी की पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों का टकराव भी हुआ, रोचक बात है कि खालिस्तानी हमलावरों का साथ देने वाली कनाडा पुलिस ने यहां पर कई हिन्दुओं को घसीटकर न केवल पीटा बल्कि उठाकर गाडिय़ों में ले गए।

भारत सरकार ने ब्रैम्पटन में खालिस्तानी झंडे लेकर आये प्रदर्शनकारियों की ओर से एक हिन्दू मन्दिर में लोगों के साथ की गई हिंसा की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम ब्रैम्पटन, ओंटारियो में हिन्दू सभा मन्दिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों की ओर से की गई हिंसा की निंदा करते हैं। इस बीच ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने भी एक कड़ा बयान जारी कर हिन्दू सभा मन्दिर पर भारत विरोधी तत्वों की ओर से किए गए हमले की निंदा की।

कनाडा में भारत विरोध में जो कुछ हो रहा है उसकी पृष्ठभूमि तो दशकों पहले से तैयार हो रही थी, इस बात का पता कैप्टन अमरेन्द्र सिंह जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, उनके ब्यान से होता है। कै. अमरेन्द्र सिंह लिखते हैं 'कुछ वर्ष पूर्व जब मैं पंजाब का मुख्यमंत्री था, मैं उस देश में सिख उग्रवाद के प्रति कनाडा के दृष्टिकोण से अवगत था जो तेजी से बढ़ रहा था परन्तु जिस पर ट्रूडो ने न केवल आंखें मूंद लीं बल्कि अपना राजनीतिक आधार बढ़ाने के लिए ऐसे लोगों को संरक्षण दिया। उन्होंने अपने रक्षामंत्री, एक सिख को पंजाब भेजा पर मैंने उससे मिलने से इनकार कर दिया क्योंकि वह खुद विश्व सिख संगठन का सक्रिय सदस्य था, जो उस समय खालिस्तानी आंदोलन की मूल संस्था थी और जिसकी अध्यक्षता उसके पिता ने की थी। कुछ महीने बाद ट्रूडो भारत आए थे और उन्होंने मुझसे मिलने से इनकार कर दिया था। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने ट्रुडो से बड़े ही स्पष्ट शब्दों में कहा था कि जब तक आप मुख्यमंत्री से नहीं मिलेंगे, तब तक आप पंजाब का दौरा नहीं कर सकते। हम अमृतसर में मिले, उनके रक्षामंत्री सज्जन सिंह के साथ। मैंने उन्हें कनाडा से पंजाब की समस्याओं के बारे में खुलकर बताया कि कनाडा खालिस्तानी अलगाववादी आंदोलन का स्वर्ग बन गया, साथ ही वहां बंदूकों, ड्रग्स व गैंगस्टरों का बोलबाला हो गया है। परन्तु वहां की सरकार ने इन बातों पर कोई ध्यान नहीं दिया।

कनाडा में हिंदुओं पर हमले की घटना को लेकर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने ही देश में घिर गए हैं। पीपुल्स पार्टी आफ कनाडा के नेता मैक्सिम बर्नियर ने प्रधानमंत्री ट्रूडो और विपक्षी नेताओं जगमीत सिंह व पियरे पोलीवरे की प्रतिक्रिया की आलोचना की और आरोप लगाया कि इन नताओं ने हमलावरों को खालिस्तान समर्थकों के रूप में पहचानने से परहेज किया, क्योंकि उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है। बर्नियर ने इन नेताओं को कायर करार दिया है। बर्नियर ने लिखा कि इनमें से कोई भी कायर उन खालिस्तान समर्थकों का नाम लेने की हिम्मत नहीं करता, जो हिंसा कर रहे हैं। वे कुछ मतदाताओं को नाराज करने से डरते हैं। कनाडा के पूर्व मंत्री उज्जल दोसांझ ने कहा कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो सामाजिक और राजनीतिक रूप से मूर्ख हैं। वह यह कभी भी समझ नहीं पाए कि ज्यादातर सिख धर्मनिरपेक्ष हैं और खालिस्तान से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

कनाडा में हिन्दू मंदिर पर हमला कनाडा सरकार समर्थित खालिस्तानी तत्वों द्वारा एक सोची समझी साजिश के तहत किया गया है। कनाडा में अगले वर्ष होने वाले चुनावों को देखते हुए आशंका है कि ऐसे हमले अभी जारी रहेंगे। वोट बैंक की राजनीति के लिए ही जस्टिन ट्रुडो बिना प्रमाण के ही वहां मारे गए आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर मढ़ रहे हैं।

आज का इतिहास

1967 फ्रेंच कॉमिक बुक के नायक वेलेरियन और लॉरेलीन ने पहली बार पाइलट पत्रिका के पन्नों को छपाया।
1967 रोलिंग-स्टोन का पहला अंक, संगीत, उदार राजनीति और लोकप्रिय संस्कृति के लिए अमेरिकी-आधारित पत्रिका का प्रकाशन किया गया था।
1967 अमेरिका ने केप कैनेडी, फ्लोरिडा से सैटर्न 5 रॉकेट के साथ मानवरहित अंतरिक्षयान अपोलो 4 का प्रक्षेपण किया।
1985 22 साल की उम्र में गैरी कास्परोव तत्कालीन चैंपियन अनातोली कारपोव को हराकर सबसे कम उम्र के निर्विवाद रूप से शतरंज चैंपियन बने।
1985 अनातोली कारपोव को हराकर 22 वर्षीय गैरी कास्पारोव सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बने।
1987 उत्तरी आयरलैंड के एनीस्किलन में रविवार को एक समारोह के दौरान एक अनंतिम आयरिश रिपब्लिकन आर्मी बम विस्फोट हुआ, जिसमें ग्यारह लोग मारे गए और साठ लोग घायल हो गए।
1989 पूर्वी जर्मनी ने बर्लिन की दीवार के भीतर जर्मन सीमा को खोलने की घोषणा की, शीत युद्ध के प्रतीकात्मक अंत को चिह्नित किया, वारसॉ संधि के आसन्न, और सोवियत संघ के अंत की शुरुआत की।
1989 ब्रिटेन में मृत्यु-दण्ड की सज़ा पर पूरी तरह से रोक लगाई गई।
1994 रासायनिक तत्व डार्मस्टेडटियम का खोज की गई।
1998 मानवाधिकार अधिनियम के पारित होने के साथ, यूनाइटेड किंगडम के सभी आपराधिक अपराधों के लिए मृत्युदंड की सजा।
2003 सऊदी अरब के रियाद में एक आत्मघाती आतंकवादी हमले में 17 लोगों की मौत हुई।
2005 स्वाज़ीलैंड दुनिया के सबसे ऊंचे एचआईवी संक्रमण दर का सामना कर रहा है, एक यौन अपराध और घरेलू हिंसा विधेयक का मसौदा तैयार कर रहा है जिसमें बाल बलात्कार, अनाचार और एचआईवी के जानबूझकर प्रसारण के लिए मौत की सजा का प्रस्ताव है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बाद में चिंता व्यक्त की।
2005 यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने वीनस एक्सप्रेस मिशन (कलाकार की छाप चित्रित की गई), वेनवियन वातावरण का पहला दीर्घकालिक अवलोकन शुरू किया।
2006 एमआई 5 (सुरक्षा सेवा) के प्रमुख के अनुसार, डेम एलिजा बड़ी संख्या में युवा ब्रिटिश मुसलमानों को सामूहिक हत्या का रास्ता चुनने के लिए सुधार और प्रशिक्षित किया जा रहा है।

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव : गढ़ बचाने में लगी पार्टियां

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में आगामी 13 नवंबर को सात विधानसभा सीटों पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। सात में से पांच विधानसभा सीटों झुंझुनू, दौसा, खींवसर, देवली-उनियारा, चौरासी में वहां के विधायकों के सांसद बनने के चलते इस्तीफा देने से उपचुनाव होने जा रहे हैं। वहीं सलूंबर व रामगढ़ में विधायकों की मृत्यु होने के चलते उपचुनाव हो रहे हैं। हालांकि इन विधानसभा उपचुनावो के नतीजों से प्रदेश की राजनीति में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। इससे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार को कोई खतरा होने वाला नहीं है।

मगर इन उपचुनाव के नतीजे का असर प्रदेश की राजनीति में कई पार्टियों व उनके नेताओं के राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करेगा। 2023 के विधानसभा चुनाव में सात विधानसभा सीटों में से चार सीटों पर कांग्रेस पार्टी के विधायक थे। वही एक सीट पर भाजपा, एक पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) व एक पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) का विधायक था।

जिन सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे है। उनमें से प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा के पास सिर्फ एक सलूंबर की सीट थी। जहां उनके लगातार तीन बार के विधायक अमृतलाल मीणा के निधन के चलते उपचुनाव हो रहा है। भाजपा के लिए सलूंबर की सीट जीतना प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है। इसीलिए भाजपा ने दिवंगत विधायक की पत्नी शांता मीणा को टिकट देकर सहानुभूति का लाभ उठाना चाहती है। इसके अलावा प्रदेश की अन्य विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भी भाजपा पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरी है।

उपचुनाव में हार जीत के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में बहुत अच्छा नहीं रहा था। इसलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चाहते हैं कि सभी सात सीटों पर उपचुनाव में उनकी पार्टी के प्रत्याशियों को विजय बनवाकर भाजपा आला कमान की नजरों में अपनी मजबूत छवि बना सके। भाजपा प्रदेश की सभी सातों सीटों पर पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने समय रहते अपने सभी बागियों को मना कर एकजुटता का संदेश देने में सफल रही है। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ उतरे बागियों को चुनाव से हटाने में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास सफल रहे हैं।

प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के उपचुनाव में विजय हासिल करने के चक्कर में भाजपा ने अपनी नीति व सिद्धांतों को भी ताक पर रख दिया है। दौसा सीट पर राजस्थान सरकार में मंत्री डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को प्रत्याशी बनाया है। जबकि दौसा सीट सामान्य वर्ग की सीट है। मगर भाजपा ने डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के दबाव में अनुसूचित जनजाति के प्रत्याशी को मैदान में उतार दिया है। डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के भतीजे राजेन्द्र मीणा भी महुआ से विधायक है। इस तरह एक परिवार के तीन लोगों को पार्टी ने टिकट देकर परिवारवाद को बढ़ावा दिया है।

वही 2023 के विधानसभा चुनाव में झुंझुनू से भाजपा के प्रत्याशी निशित कुमार उर्फ बबलू के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले राजेंद्र भांभू व रामगढ़ से भाजपा प्रत्याशी जय आहूजा के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले सुखवंत सिंह को टिकट देकर मैदान में उतार

दिया है। देवली-उनियारा सीट पर भी भाजपा ने पिछली बार चुनाव लड़े कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैसला का टिकट काटकर पूर्व विधायक राजेंद्र गुर्जर को मैदान में उतारा है। वहीं खींवसर सीट पर रालोपा के अध्यक्ष व नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल को पिछले विधानसभा चुनाव में कड़ी टक्कर देकर मात्र 2059 वोटो से हारने वाले रेवतराम डागा को फिर से मैदान में उतारा है।

चौरासी सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की करारी हार हुयी थी। इस बार भाजपा ने वहां नया प्रत्याशी कारीलाल ननोमा को मैदान में उतारा है। भाजपा प्रत्याशी सीमलवाड़ा पंचायत समिति के प्रधान है तथा सादड़िया के सरपंच रह चुके हैं। अब उनकी पुत्रवधू रेखा सरपंच है। उनकी पत्नी हाकली देवी भी सरपंच रह चुकी है। क्षेत्र में अच्छी पकड़ होने के कारण राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इस बार वहां भाजपा कड़ी टक्कर दे सकती है।

कांग्रेस को अपनी चार सीट झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा व रामगढ़ फिर से जितनी होगी। साथ ही अन्य तीन सीटों पर भी अपनी ताकत दिखानी होगी कांग्रेस ने झुंझुनू सें सांसद बने बृजेंद्र सिंह ओला के बेटे अमित ओला को मैदान में उतारा है। अमित ओला ओला परिवार की तीसरी पीढ़ी है तथा उनके दादा शीशराम ओला झुंझुनू से पांच बार सांसद नौ बार विधायक केंद्र तथा राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। वहीं रामगढ़ सीट पर दिवंगत विधायक जुबेर खान के पुत्र आर्यन खान को उतार कर सहानुभूति के बल पर चुनाव जीतना चाहती है।

दौसा सामान्य सीट पर कांग्रेस ने अनुसूचित जाति के दीनदयाल बैरवा को टिकट देकर मैदान में उतारा है। देवली-उनियारा से पूर्व अधिकारी कस्तूर चंद मीणा को मैदान में उतारा है। यहां कांग्रेस के बागी नरेश मीणा चुनाव को त्रिकोणात्मक बना रहे हैं। नरेश मीणा को कांग्रेस पार्टी मनाने में नाकाम रही है। जिसके चलते कांग्रेस प्रत्याशी की स्थिति ज्यादा बेहतर नहीं मानी जा रही है।

सलूंबर में कांग्रेस ने 2018 में निर्दलिय चुनाव लड़कर कांग्रेस को हराने वाली रेशमा मीणा को मैदान में उतारा है। जिससे नाराज होकर सांसद, विधायक व मंत्री रह चुके रघुवीर मीणा अंदर खाने पार्टी प्रत्याशी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। चौरासी सीट पर कांग्रेस पार्टी ने इस बार 29 साल के नए प्रत्याशी महेश रोत को मैदान में उतारा है। खींवसर सीट पर कांग्रेस पार्टी ने महिला प्रत्याशी रतन चैधरी को मैदान में उतार कर हनुमान बेनीवाल के वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई है। जिसका फायदा भाजपा को हो सकता है।

खींवसर सीट पर रालोपा के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। पिछला विधानसभा चुनाव वह मात्र 2059 वोटो से जीते थे। फिर कांग्रेस से गठबंधन कर नागौर से सांसद चुने जाने पर उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। अब उन्होंने अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को मैदान में उतारा है। यहां उनका मुकाबला भाजपा के रेवत राम डागा व कांग्रेस की रतन चैधरी से होगा। हनुमान बेनीवाल ने 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के रेवत राम डागा को महज 2059 वोटो से हराया था। विधानसभा उपचुनाव में यदि हनुमान बेनीवाल की पत्नी चुनाव हार जाती है तो उनकी पार्टी का विधानसभा में प्रतिनिधित्व तो समाप्त होगा ही साथ ही उनका प्रदेश की राजनीति में प्रभाव भी काम हो जायेगा। इसलिए हनुमान बेनीवाल के लिए उपचुनाव में करो व मारो वाली स्थिति बनी हुई है।

आदिवासी बहुल चैरासी विधानसभा सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में आप पार्टी के अध्यक्ष राजकुमार रोत 69166 वोटो से चुनाव जीते थे। उनके बांसवाड़ा-डूंगरपुर से सांसद बनने के चलते इस्तीफा देने से खाली हुई चौरासी सीट पर उपचुनाव हो रहा है। आदिवासी बेल्ट में बाप पार्टी का प्रभाव लगातार प्रभाव बढ़ रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में बाप पार्टी के तीन विधायक जीते थे। चौरासी सीट पर कांग्रेस व भाजपा ने भी इस बार नए प्रत्याशियों को मौका दिया है। वही बाप पार्टी का बागी बदामीलाल ताबियाड़ भी चुनाव मैदान में खड़ा है। उनकी पत्नी शर्मिला अभी चिखली पंचायत समिति की प्रधान है। बदामीलाल को पार्टी अध्यक्ष राजकुमार रोत मैदान से हटाने में असफल रहे हैं। सांसद रोत के लिए चौरासी सीट उनकी प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई है। क्योंकि वह वहां से लगातार दो बार विधायक रह चुके हैं। यदि चैरासी से उनकी पार्टी का प्रत्याशी चुनाव हारता है तो उनके बढ़ते प्रभाव को झटका लगेगा।

राजस्थान की सात में से चार विधानसभा सीटों झुंझुनू, देवली-उनियारा, खींवसर में तिकोना व चौरासी में चैकोना मुकाबला होने जा रहा है। झुंझुनू में पूर्व मंत्री

आशा है, ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल की नीतियों का ही विस्तार करेंगे

बलबीर पुंज

अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रम्प को विजेता घोषित कर दिया गया है। वह अमरीका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। सामरिक-आर्थिक रूप से विश्व के सबसे ताकतवर देशों में से एक होने के कारण शेष दुनिया में अमरीकी चुनाव को लेकर स्वाभाविक चर्चा रही। भारत में भी इसे लेकर दो कारणों से उत्साह दिखा। पहला- कमला हैरिस का भारत से तथाकथित 'जुड़ाव' होना। यह अलग बात है कि हैरिस कमोबेश भारत-हिंदू विरोधी ही रही हैं। दूसरा-डोनाल्ड ट्रम्प, जोकि पहले भी राष्ट्रपति (2016-20) रह चुके हैं, ने खुलकर हिंदू हितों की बात की और बंगलादेश में हिंदुओं पर हो रहे मजहबी हमलों का संज्ञान लिया। परंतु इस सच का एक अलग पहलू भी है। यह ठीक है कि ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तुलनात्मक रूप से भारत के आंतरिक मामलों में अमरीका ने बहुत कम हस्तक्षेप किया। ट्रम्प प्रशासन ने वर्ष 2019 में धारा 370-35ए के संवैधानिक क्षरण और पुलवामा आतंकवादी हमले के प्रतिकार स्वरूप पाकिस्तान के भीतर भारतीय सर्जिकल स्ट्राइक का समर्थन किया था। इस बार भी ट्रम्प ने भारत-अमरीका के संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है। दीपावली के अवसर पर ट्रम्प ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताया था। साथ ही अपनी सरकार आने पर दोनों देशों के बीच की सांझेदारी को और आगे बढ़ाने का वादा किया था। ट्रम्प बंगलादेश में तख्तापलट के बाद से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा की कड़ी निंदा भी कर चुके हैं। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में जो निर्णय लिए थे, जिसमें सात इस्लामी देशों के नागरिकों के अमरीका में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का फैसला तक शामिल था, उसमें उनकी सबसे प्रमुख नीति 'अमरीका फर्स्ट' थी, जिसे ट्रम्प ने इस बार भी दोहराया है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने शुल्कों के माध्यम से भारत-चीन सहित अन्य एशियाई देशों के साथ यूरोपीय सहयोगियों पर भी निशाना साधा था। मई 2019 में ट्रम्प ने भारत को न केवल 'टैरिफ किंग' बताया था, साथ ही अमरीकी बाजार में भारत को मिली विशेष व्यापार सुविधा (अमरीकी व्यापारिक वरीयता कार्यक्रम) को भी समाप्त कर दिया था। तब ट्रम्प ने कहा था, ''भारत एक उच्च शुल्क वाला देश है। जब हम भारत को मोटरसाइकिल भेजते हैं, तो उस पर 100 प्रतिशत शुल्क होता है। जब भारत हमारे पास मोटरसाइकिल भेजता है, तो हम उनसे कोई शुल्क नहीं लेते। वे हमसे 100 प्रतिशत वसूल रहे हैं। ठीक उसी उत्पाद के लिए, मैं उनसे 25 प्रतिशत वसूलना चाहता हूं।'' इस बार ट्रम्प ने अमरीका में सभी आयातों पर 10 प्रतिशत, तो चीन से आयात पर 60 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने की बात की है। वर्ष 2016 के बाद ट्रम्प प्रशासन ने पहली बार चीन को एक 'खतरे' और 'रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी' के रूप में पेश किया था। उनसे पहले किसी भी अमरीकी राष्ट्रपति ने चीन को इस तरह नहीं देखा था। इस परिप्रेक्ष्य में ट्रम्प से उम्मीद की जा सकती है कि वह अपने पहले कार्यकाल की नीतियों का ही विस्तार करेंगे, जिसमें चीन के साम्राज्यवादी रवैये के खिलाफ मुखर होकर क्वाड समूह (भारत सहित) को मूर्त रूप दिया गया था। अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में आप्रवासन एक संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा रहा। ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल से इस पर आक्रामक रहे हैं और उनका दूसरा कार्यकाल अपेक्षित रूप से अवैध आप्रवासन को रोकने के अपने वादे को और सख्ती से लागू करने का प्रयास करेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक वर्ष में बाइडेन प्रशासन के नेतृत्व में अमरीका ने लगभग 1100 अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस भेजा है। यदि ट्रम्प आप्रवासन के मामले में और सख्ती दिखाते हैं, तो यह नि:संदेह भारत के लिए चुनौती खड़ी कर सकता है।

क्या बाइडेन से ज्यादा बेहतर साबित हो सकते हैं ट्रंप?

राजेश बादल

अमेरिका में अब हम लोकतंत्र का एक विकृत संस्करण देख सकते हैं। इसमें डोनाल्ड ट्रंप एक सखूत अधिनायक के रूप में विश्व मंच पर अवतरित होने के लिए तैयार हैं। अपने बयानों और टिप्पणियों से ट्रंप यह सिद्ध कर चुके हैं कि उनके भीतर एक शातिर तानाशाह मौजूद है। इसलिए वह खुले आम कहते हैं कि मेक्सिको सीमा बंद करने के मामले में वे तानाशाह हो जाएंगे। वे प्रचार अभियान में कह चुके हैं कि 2020 में हारने के बाद उन्हें व्हाइट हाउस खाली नहीं करना चाहिए था। यानी पराजय के बाद वे जो बाइडेन की जीत को खारिज कर रहे थे। इस तरह का बयान कोई सामंती प्रवृति वाला इंसान ही दे सकता है।

यह प्रमाणित तथ्य है कि पिछले कार्यकाल में उन्होंने 21500 से अधिक झूठ बोले थे। अर्थात 21 झूठ प्रतिदिन। किसी भी सभ्य लोकतंत्र में सामूहिक नेतृत्व, सचाई और ईमानदारी सबसे ज़रूरी तत्व होते हैं और डोनाल्ड ट्रंप में इन तीनों का अभाव है। इसीलिए संसार के सबसे अमीर लोकतंत्र की जड़ें सूखते हम बीते आठ बरस से देख रहे हैं। बराक ओबामा का कार्यकाल लोकतांत्रिक नजरिए से अमेरिका का अंतिम माना जा सकता है।

सवाल यह है कि दुनिया की चौधराहट की कमान डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में आने के बाद वैश्विक राजनीति पर क्या असर पड़ेगा ? भारत जैसे एशिया के ताकतवर मुल्क के प्रति उनका रवैया कैसा रहेगा? रूस से दोस्ती तथा चीन से चिढ़ जारी रहेगी? क्या यूरोप के देश अगले चार बरस भी अमेरिका के पिछलग्गू बने रहेंगे ?

इन प्रश्नों का उत्तर यक़ीनन भविष्य के गर्भ में है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के पिछले कार्यकाल को ध्यान में रखते हुए कोई विश्लेषण करें तो कहा जा सकता है कि यदि अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने रवैए में आमूल चूल बदलाव नहीं किया तो विश्व पंचायत के इस मुखिया की प्रधानी ख़तरे में है। अमेरिका तमाम राष्ट्रों को आर्थिक मदद या फौजी ताक़त के बल पर ही संसार पर अपना रौब बनाए हुए है। ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति इसमें बड़ी बाधा बन सकती है। चौधराहट तो पैसे से ख़रीदी जाती है।

अमेरिका अब अंटी ढीली नहीं करेगा तो उसकी कौन

सुनेगा ? एक बानगी ही पर्याप्त होगी। ट्रंप कह चुके हैं कि वे एक दिन में रूस - यूक्रेन जंग रोक देंगे।अमेरिका अब तक इस जंग में 10 अरब डॉलर यूक्रेन पर ख़र्च कर चुका है। यदि वे अब यूक्रेन को सहायता बंद करते हैं तो निश्चित रूप से जंग एक दिन में रुक जाएगी और रूस को जीतने में एक - दो दिन ही लगेंगे।मगर,तब नाटो देशों का क्या होगा? क्या वे ठगा हुआ नहीं महसूस करेंगे ? अमेरिका अपने पिछलग्गुओं को खो देगा। वैसे भी यूरोपीय यूनियन के अनेक सदस्य ट्रंप विरोधी हैं।

यही हाल एशिया का है। पिछली बार वे भारतीय मूल के मतदाताओं को रिझाने के लिए भारत से गलबहियां डाले रहे। लेकिन ईरान से सस्ता तेल आयात बंद करने के लिए भारत को उन्होंने ही मजबूर किया था। इसके अलावा भारत ने चार दशक के प्रयासों के बाद ईरान में चाबहार बंदरगाह बनाया। ट्रंप ने भारत के उस बंदरगाह से कारोबारी इरादों पर ताला जड़ दिया। ईरान भारत का सदियों से शुभचिंतक रहा है। मुस्लिम जगत में वह शिया बाहुल्य अकेला देश है ,जो भारत को समर्थन देता रहा है और सुन्नी देशों से बैर मोल लेता रहा है। भारत में शिया मुस्लिम अच्छी ख़ासी संख्या में हैं।

अफगानिस्तान के मामले में भी ट्रंप भारत का सार्वजनिक उपहास करते रहे हैं। अफ़ग़ानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत के प्रयासों की खिल्ली उड़ाते हुए उन्होंने कहा था कि जितना भारत इस मुल्क पर ख़र्च करता है ,उतना तो अमेरिका एक घंटे में कर देता है। क्या भारत के हितों की रक्षा के लिए वे ईरान से प्रतिबन्ध हटाएँगे ? कभी नहीं। भारत के आयात शुल्क पर भी वे खुश नहीं रहे।

ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान बांग्लादेश में हिन्दुओं के असुरक्षित होने की बात कहकर भारतीय वोटों को लुभाने का प्रयास किया था,लेकिन परदे के पीछे की कहानी अलग है। यह अमेरिका ही था ,जिसने सैनिक अड्डे के लिए सेंट मार्टिन द्वीप नहीं देने पर शेख हसीना की निर्वाचित सरकार गिराई थी। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री (निर्वाचित नहीं) अमेरिका के पिछलग्गू हैं। उन्हें अमेरिका ने ही नोबेल पुरुस्कार दिलाया था। लेकिन वे भी सेंट मार्टिन द्वीप सौंपने के लिए तैयार नहीं हैं। ट्रंप का बयान एक तरह से उनके लिए चेतावनी था। क्या राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप अमेरिका की प्राथमिकता छोड़ देंगे ?

अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप बयानों के ज़रिए पाकिस्तान की आलोचना करते थे और परदे के पीछे पाकिस्तान को मदद करते रहे। क्या इतिहास के पन्नों से वे यह अध्याय अलग कर सकेंगे कि जब अफ़ग़ानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के लिए तालिबान से गुपचुप वार्ताएं हो रही थीं तो उन्होंने भारत को अलग थलग कर रखा था। पाकिस्तान बढ़ चढ़ कर उनकी सहायता कर रहा था।

दरअसल ट्रंप एक धूर्त कारोबारी हैं। वे जानते हैं कि हिन्दुस्तानी सियासतदानों को पाकिस्तान की आलोचना सुनना बहुत अच्छा लगता है। अपने देश का नुकसान करा के भी वे पाकिस्तान की बुराई सुनना चाहते हैं। इसलिए ट्रंप भारत के साथ अपनी दोहरी नीति नहीं छोड़ेंगे। अब यह भारत पर निर्भर है कि वह मिथ्याभाषी शासन प्रमुख के साथ कैसे संबंध रखता है। इन सबके बावजूद डोनाल्ड ट्रंप जो बाइडेन से बेहतर राष्ट्रपति साबित हो सकते हैं । जो बाइडेन के ज़माने में अमेरिकी रफ़्तार जैसे ठहर गई थी। वे आंतरिक समस्याओं का समाधान नहीं खोज सके। मित्र राष्ट्रों को प्रसन्न नहीं रख पाए। वह तो कमला हैरिस का अपना अभियान ही था ,जिसने शर्मानक हार से मुक़ाबले को सम्मानजनक बनाया। यदि वे महिला नही होतीं तो सौ फ़ीसदी राष्ट्रपति बन जातीं। अमेरिकी समाज अभी भी घोर परंपरावादी है ,जिसमें पुरुषों का वर्चस्व है।बाइडेन का शासन ठहरा हुए पानी का सड़ांध मारता पोखर था तो डोनाल्ड ट्रंप की हुकूमत बहता हुआ प्रदूषित नाला। बेचारे अमेरिकी मतदाता जाते तो कहाँ जाते ?

सरकारों को प्राथमिक शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए

विपिन पब्बी

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने शैक्षणिक संसाधनों को सुव्यवस्थित करने के प्रयास के तहत 50 से कम छात्रों वाले 27,764 बुनियादी विद्यालयों का विलय करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य कम नामांकन वाले विद्यालयों को अधिक छात्र नामांकन वाले निकटवर्ती विद्यालयों में मिलाना है। राज्य सरकार ने कहा कि इससे बुनियादी ढांचे और प्राथमिक शिक्षा की प्रणाली को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है, जिससे बेहतर संसाधन आबंटन और बेहतर शैक्षणिक सहायता मिल सकती है।

सरकारी विद्यालयों में कम नामांकन की यह प्रवृत्ति कई अन्य राज्यों को भी परेशान कर रही है और सरकारी विद्यालयों में दी जा रही प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर फिर से विचार करने के लिए अधिकारियों और विशेषज्ञों का ध्यान आर्ज़षित करने की आवश्यकता है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि शिक्षा और पर्यावरण की गुणवत्ता का बच्चों के प्रारंभिक वर्षों के दौरान उनके जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। दुर्भाग्य से पूरे देश ने इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित नहीं किया और बहुत कम राज्यों ने ऐसे मॉडल विकसित किए हैं, जिन्हें पूरे देश में दोहराया जाना चाहिए।

उत्तर में दिल्ली और पंजाब को छोड़कर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति उपेक्षित रही है। खराब बुनियादी ढांचे के अलावा, अर्ध-कुशल शिक्षकों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता भी बहुत कम है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि सरकारी स्कूलों

में बहुत सस्ते विकल्प उपलब्ध होने के बावजूद, खासकर शहरी क्षेत्रों में, माता-पिता की बढ़ती संख्या अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाना पसंद कर रही है। नैशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एन.एस.एस.ओ.) द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण 'कम्युनिटी एनालिसिस ऑफ मॉनिटरिंग स्कूल्स (सी.ए.एम.एस.) से पता चला है कि न केवल नामांकन में अंतर, बल्कि सामाजिक-आर्थिक कारण और भौगोलिक भिन्नताएं भी इस बदलाव को बढ़ावा दे रही हैं।

इसके निष्कर्षों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक विद्यालयों के 43.8 प्रतिशत बच्चे निजी स्कूलों में नामांकित हैं, जबकि 36.5 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में जाते हैं। इसी सर्वेक्षण से यह भी पता चला कि राष्ट्रीय स्तर पर 66.7 प्रतिशत बच्चे सरकारी स्कूलों में नामांकित हैं, जबकि निजी संस्थानों में नामांकन का प्रतिशत 23.4 है। हालांकि, सर्वेक्षण ने शहरी-ग्रामीण विभाजन को स्पष्ट रूप से उजागर किया है, जिसमें शहरी क्षेत्र निजी शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं और ग्रामीण क्षेत्र, मुख्य रूप से विकल्पों की कमी के कारण, सरकारी स्कूलों पर निर्भर हैं।

हरियाणा में प्राथमिक विद्यालयों के 45.6 प्रतिशत बच्चे निजी स्कूलों में जाते हैं, जबकि सरकारी विद्यालयों में यह 40.2 प्रतिशत है। जाहिर है कि शिक्षा की गुणवत्ता या इसकी कमी अभिभावकों को अधिक फीस के बावजूद अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए प्रेरित कर रही है। संयोग से, मणिपुर में निजी नामांकन की उच्चतम दर दर्ज की गई है, जहां 74 प्रतिशत छात्र निजी संस्थानों में जाते हैं, जबकि सरकारी विद्यालयों में यह केवल 21 प्रतिशत है।

दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और ओडिशा जैसे राज्यों में निजी स्कूली शिक्षा एक छोटी प्राथमिकता बनी हुई है। उदाहरण के लिए, पश्चिम बंगाल में केवल 5 प्रतिशत छात्र निजी स्कूलों में जाते हैं, जबकि त्रिपुरा और ओडिशा में यह प्रतिशत क्रमश- 6.2 और 6.3 है। इन राज्यों में सरकारी शिक्षा के प्रति मजबूत झुकाव का विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन किया जाना चाहिए और इस पद्धति को अन्य राज्यों में भी दोहराया जाना चाहिए।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कोविड महामारी ने शिक्षा, विशेष रूप से प्राथमिक शिक्षा पर गहरा प्रभाव डाला है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि नौकरियों के नुकसान और पारिवारिक आय में भारी गिरावट के कारण निजी स्कूलों से सरकारी स्कूलों में छात्रों का स्पष्ट बदलाव हुआ है। इसमें 2020 में 65.8 प्रतिशत से 2021 में 70.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। निजी स्कूल में नामांकन में 2020 में 28.8 प्रतिशत से 2021 में 24.4 प्रतिशत की गिरावट आई। यह प्रवृत्ति अब उलट रही है, लेकिन प्राथमिक शिक्षा पर महामारी का प्रतिकूल प्रभाव लंबे समय तक बना हुआ है।

इसी सर्वेक्षण में पाया गया कि छात्र, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र, विभिन्न मापदंडों में काफी पिछड़ गए हैं। महामारी ने देश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के बीच की खाई को और चौड़ा कर दिया है। दुर्भाग्य से महामारी के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए बहुत कम किया गया। नवीनतम डाटा सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता के अंतर को दूर करने की आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं। सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे, शिक्षण गुणवत्ता और पहुंच में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। केंद्र सरकार ने इस वर्ष प्राथमिक शिक्षा के लिए बजट में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि करके अच्छा काम किया है। इसका उपयोग गहन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए किया जाना चाहिए।

कश्मीर में फिर तुष्टिकरण की राजनीति!

ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुल्ला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुनर्बहाली शब्द का इस्तेमाल किए, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई एवं शोर-शराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है कि वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नहीं है।

ऐसा लगता है कि जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बर्बादी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गई हैं। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे।

बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने 'एक विधान एक निशान' और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोड़ने की अनुमति नहीं देगी।

जब तक केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेंद्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षड्यंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को

समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए इसकी वापसी असंभव है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई हैं, विशेषत: लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है।

जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक संपूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवाहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नए सूरज को उदित किया है। अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जाएगा।

बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी और विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए।

इन घरेलू चीजों से करें बालों को कंडीशन

बालों के लिए घरेलू चीजें बेहद अच्छी मानी जाती हैंए क्योंकि इनके इस्तेमाल से नुकसान कम होता है।

शहद से करें बालों को कंडीशन– अगर आप कामकाजी महिला हैं और आपको बार बार घर से बाहर निकलता पड़ता है जिसकी बजह से आपके बाल सूरज की गर्मी और बायु में प्रदूषण की बजह से खराब हो गए हैं तो आपको शहद का इस्तेमाल करना चाहिए। शहद बालों को अच्छे से कंडीशन करता है। यह बालों की नमी बनाए रखने में मदद करता है/

- एक बर्तन में एक अंडा, एक चम्मच शहद और 2 चम्मच नारियल का तेल और तिल का तेल डालकर मिलाएं। इस तेल को बाल और खोपड़ी पर लगाकर आधे घण्टे के लिए छोड़ दें। अब अपने बालों को साफ पानी से धो लें।
- दही का इस्तेमाल तैलीय और रूखे बालों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसके इस्तेमाल से आपके बाल मुलायम होते हैं। साथ ही यह बालों को पोषण देता है। दही से एसिड अल्कलाइन संतुलन बना रहता है। जब भी आप भी शैंपू करें, उससे आधा घंटा पहले दही का उपयोग करें।
- अंडा बालों की सेहत के लिए काफी गुणकारी माना जाता है/ अंडे के सफेद भाग को बालों पर लगाया जाता है। यह क्लींजर के रूप में काम करता है। ऑयली बालों के लिए घेरलू उपाय के रूप में अंडा का इस्तेमाल एक अच्छा उपाय माना जाता है है। दही की तरह ही बाल धोने से पहले सिर पर अंडा लगा लें और आधे घण्टे बाद साफ ताजे पानी से धो डालें।
- अगर आपके बाल बेहद ड्राई और रफ हैं तो एक अंडा, दो बड़े चम्मच अरंडी का तेल, एक नींबू का रस, एक चम्मच ग्लिसरीन को छोटे जार में डाल कर अच्छी तरह मिश्रण बना लें। अब इस मिश्रण को अपने स्कैल्प और बालों पर लगाकर मसाज करें।करीब आधे घंटे बाद बाल को अच्छे से धो लें।

हमेशा बालों में कम शैम्पू लगाएं और पानी से अच्छी तरह धो लें। अगर आपने तेल नहीं लगाया है तो केवल एक ही बार शैंपू का इस्तेमाल करें। बालों में शैंपू कितना लगाया जाएए इस बात से फर्क नहीं पड़ता है। आपको केवल बालों को अच्छे से धोना आना चाहिए। अगर सही तरीके से हेयर वॉश नहीं होता है तो बाल खराब हो सकते हैं। जब बाल साफ और अच्छी तरह से कंडीशन होंगे तो वे मुलायम, रेशमी और चमकदार दिखेंगे। बालों को वॉश करने के लिए माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल करना चाहिए।

● शहनाज़ हुसैन

सर्दियों में अपनी त्वचा को रखें हाइड्रेटेड, स्किन होगी सॉफ्ट

जैसे–जैसे सर्दियों में ठंडी हवाएं चलने लगती है वैसे ही तापमान गिरने लगता है, आपकी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या में सुधार करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। ठंडा और ड्राई मौसम आपकी त्वचा पर कहर बरपा सकता है, जिससे यह ड्राई, परतदार और बेजान हो जाती है। सर्दियों की इन समस्याओं से निपटने के लिए, त्वचा की देखभाल के लिए एक ऐसा आहार अपनाना आवश्यक है जो गहरी हाइड्रेशन और पोषण प्रदान करता हो। अपनी त्वचा को मुलायम और हाइड्रेटेड रखने के लिए इन टिप्स को फॉलो करें।

मॉइस्चराइजिंग

सर्दियों के दौरान सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि अपनी त्वचा को हाइड्रेटेड और मुलायम बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। अपने हल्के गर्मियों के मॉइस्चराइज़र को छोड़कर सर्दियों की समृद्ध फेस क्रीम या हाइड्रेटिंग फेस मास्क का प्रयोग करें जो ड्राई हवा से बचाते हैं और पानी की कमी को रोकते हैं। आप अपनी त्वचा को पोषण देने और कठोर मौसम से अपनी त्वचा की रक्षा करने के लिए अपनी क्रीम में आर्गन, रोजहिप या जोजोबा जैसे तेल मिला सकते हैं। प्रभाव को अधिकतम करने के लिए, सफाई के तुरंत बाद नम त्वचा पर अपना मॉइस्चराइजर लगाएं। यह ट्रिक हाइड्रेशन को सील करने में मदद करती है, जिससे आपकी त्वचा सर्दियों की ठंड के दौरान नरम और कोमल बनी रहती है।

धूप से सुरक्षा

सर्दियों के मौसम में हम अक्सर सनस्क्रीन लगाना छोड़ देते हैं, यह सोचकर कि धूप तेज नहीं है। लेकिन इसे मूर्ख मत बनने दीजिए, क्योंकि यूवी किरणें महत्वपूर्ण बनी हुई हैं और फिर भी नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए हर सुबह न्यूनतम एसपीएफ 30 के साथ सनस्क्रीन को दैनिक दिनचर्या में शामिल करना महत्वपूर्ण है। यह त्वचा को हानिकारक यूवी किरणों से बचाने में मदद करता है जो पिगमेंटेशन, हाइड्रेशन, समय से पहले बूढ़ा होना और सनबर्न का कारण बन सकती हैं।

सौम्य क्लींजर का उपयोग करें

ठंड का मौसम आपकी त्वचा को ड्राई हो जाती है, इसलिए अपने चेहरे और शरीर को नियमित रूप से धोने के लिए क्लींजर का उपयोग करना न भूलें। यह किसी भी त्वचा देखभाल दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन एक कसैले क्लीन्जर के बजाय एक सौम्य क्लीन्जर का उपयोग करना सुनिश्चित करें जो आपकी त्वचा से उसके प्राकृतिक तेल को छीन लेता है। ग्लिसरीन, शीया बटर, या ओटमील जैसे तत्वों से युक्त बने हो, जो त्वचा की प्राकृतिक नमी को बनाए रखते हुए धीरे से साफ करते हैं।

ह्यूमिडिफायर का उपयोग करें

हां, आपने सही पढ़ा – ह्यूमिडिफायर। यदि संभव हो तो इसे उन कमरों में रखें जहां आप अधिकतर समय बिताते हैं। यह गेम–चेंजर हो सकता है क्योंकि यह हवा में नमी जोड़ता है, जो आपकी त्वचा को हाइड्रेटेड स्तर बनाए रखने में मदद कर सकता है। आप अपने स्थान पर ह्यूमिडिफायर स्थापित करने के बाद आपकी त्वचा कैसी लगती है और कैसी दिखती है, इसमें आपको काफी अंतर दिखेगा।

संतुलित आहार

जब त्वचा में नमी बनाए रखने की बात आती है, तो आपका आहार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सर्दी के मौसम में मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन करें जिनमें पानी और एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है।

विंटर में आपकी स्किन का ख्याल रखेगा एलोवेरा फेस पैक

एलोवेरा स्किन की कई तरह की प्रॉब्लम्स को नेचुरल तरीके से दूर कर सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको एलोवेरा की मदद से बनने वाले कुछ ऐसे फेस पैक के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप विंटर में आसानी से बनाकर अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं।

जब ठंड का मौसम होता है तो स्किन को अतिरिक्त केयर की जरूरत होती है ताकि स्किन अधिक स्मूद नजर आए। इस मौसम में स्किन का ख्याल रखने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। दरअसल, एलोवेरा स्किन की कई तरह की प्रॉब्लम्स को नेचुरल तरीके से दूर कर सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको एलोवेरा की मदद से बनने वाले कुछ ऐसे फेस पैक के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप विंटर में आसानी से बनाकर अपनी स्किन का ख्याल रख सकते हैं–

एलोवेरा और शहद से बनाएं फेस पैक

अगर विंटर में आप अपनी रूखी स्किन से परेशान रहते हैं तो ऐसे में एलोवेरा और शहद की मदद से फेस पैक बना सकते हैं–

आवश्यक सामग्री-

– दो बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
– एक चम्मच शहद
– एक चम्मच रोज वाटर

फेस पैक बनाने का तरीका–
– फेस पैक बनाने के लिए आप सबसे पहले एलोवेरा का पत्ता तोड़कर उसका जेल निकाल लें।
– अब आप इस जेल में शहद व रोज वाटर मिक्स करें।
– इसके बाद आप अपने फेस को क्लीन करके इस पैक को चेहरे पर लगाएं और बेहद हल्के हाथों से मसाज करें।
– करीबन 10 मिनट बाद गुनगुने पानी की मदद से फेस वॉश करें।

एलोवेरा जेल और टी ट्री ऑयल से बनाएं फेस पैक

अगर आपकी स्किन बहुत अधिक ऑयली है या फिर एक्ने प्रोन है तो ऐसे में आप इस फेस पैक को बना सकती हैं।

आवश्यक सामग्री-

– 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
– 1 बड़ा चम्मच रोज वाटर
– 2–3 बूंद टी ट्री ऑयल

इस्तेमाल करने का तरीका-

– सबसे पहले आप एलोवेरा के पत्ते को तोड़कर उसका जेल निकाल लें।
– अब आप इस जेल में रोज वाटर और 2–3 बूंद टी ट्री ऑयल मिलाएं।
– अब आप इसे पैक को अपने चेहरे पर 15–20 मिनट के लिए लगाएं और फिर इसे धो लें।
– आप सप्ताह में एक से दो बार इस फेस पैक को लगा सकते हैं।

एलोवेरा और विटामिन ई से बनाएं फेस पैक

अगर आपकी स्किन को विंटर में डीप नरिश्मेंट देना चाहती हैं तो ऐसे में एलोवेरा जेल को विटामिन ई ऑयल कैप्सूल को मिक्स करें।

आवश्यक सामग्री-

– 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
– एक विटामिन ई कैप्सूल

इस्तेमाल करने का तरीका–
– सबसे पहले एलोवेरा के पत्ते को तोड़कर उसका जेल निकाल लें।
– इसके बाद आप बाउल में विटामिन ई कैप्सूल का ऑयल मिक्स करें।
– अब आप अपने चेहरे को वॉश करें और इस पैक को लगाएं।
– करीबन दस मिनट बाद आप अपने चेहरे को पानी की मदद से वॉश करें।

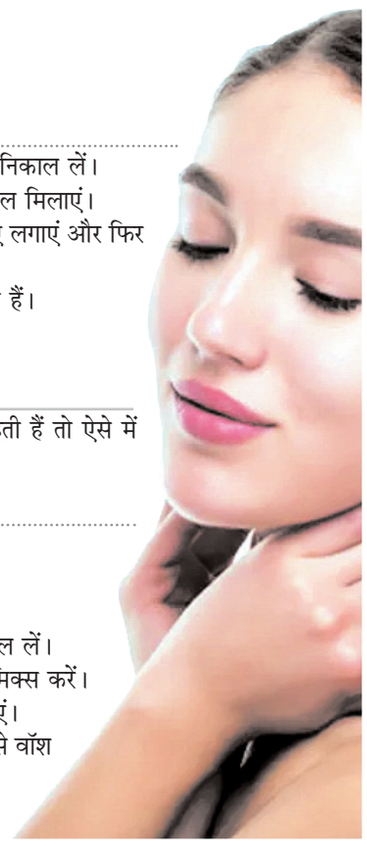

● मिताली जैन

महिलायें मेकअप करते समय आई मेकअप का विशेष ध्यान रखती हैं। जिससे उनकी आंखें ज्यादा खूबसूरत दिखे। इसके लिए वो आई लाइनर, आई शैडो, मस्कारा का इस्तेमाल करती हैं। आंखों को हाईलाइट करने के लिए आईलैश अप्लाई करती हैं। आज हम आपको बताने जा रहें हैं कुछ ऐसे आसान टिप्स जिससे आप अपनी लैशहेयर के मुताबिक आईलैशेस सेलेक्ट कर सकती हैं।

अपनी लैश हेयर के मुताबिक चुने आईलैश, आंखें दिखाई देंगी ज्यादा खूबसूरत

आंखे चेहरे की खूबसूरती का अहम् हिस्सा होती हैं। महिलायें मेकअप करते समय आई मेकअप का विशेष ध्यान रखती हैं। जिससे उनकी आंखें ज्यादा खूबसूरत दिखे। इसके लिए वो आई लाइनर, आई शैडो, मस्कारा का इस्तेमाल करती हैं। आंखों को हाईलाइट करने के लिए आईलैश अप्लाई करती हैं। आईलैशेस के बिना आंखों का मेकअप पूरा नहीं होता। कभी–कभी गलत आईलैशेस अप्लाई करने से पूरा मेकअप खराब हो जाता है। आज हम आपको बताने जा रहें हैं कुछ ऐसे आसान टिप्स जिससे आप अपनी लैशहेयर के मुताबिक आईलैशेस सेलेक्ट कर सकती हैं।

जिगजैग आईलैश

अगर आपकी आईलैश कम हैं या बिलकुल ना के बराबर हैं तो आपके लिए जिगजैग आईलैशेस सही रहेंगी। ये आईलैश बहुत हैवी नहीं होती हैं आप इसे किसी भी मौके पर अप्लाई कर सकती हैं। जिगजैग आईलैश की और भी बहुत सी वैरायटी आपको मिल जाएगी। आप अपने हिसाब से चुन सकती हैं। ये आईलैशेस आप शादी जैसे बड़े फंक्शन के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आईलैशेस अप्लाई करने के बाद मस्कारा जरूर लगायें। जिगजैग आईलैश को हल्का कर्ल करें। इसको बहुत ज्यादा कर्ल नहीं करना है।

सभी के लिए परफेक्ट मिंक आईलैश

अगर आपकी आईलैश नार्मल हैं या कम हैं और आंखें छोटी हैं तो आपके लिए मिंक आईलैश परफेक्ट हैं। ये आईलैश सभी के लिए परफेक्ट हैं। मिंक आईलैश आप किसी सामान्य फंक्शन या त्यौहार के लिए सेलेक्ट कर सकती हैं। मिंक आईलैश अप्लाई करने के बाद इसको कर्ल करना ना भूलें। मैचिंग मस्कारा अप्लाई करके आप आईलैश की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं। मिंक आईलैश बहुत महंगी नहीं होती हैं। अगर आपकी आईलैश नार्मल है बहुत कम या बहुत ज्यादा नहीं हैं तो भी यह आपके लिए परफेक्ट है।

हैवी आईलैश

हैवी आईलैश का इस्तेमाल किसी भी मौके पर नहीं किया जा सकता ये दिखने में बहुत हैवी होते हैं। अगर आपकी आंखें छोटी हैं और आईलैश कम है तो आप हैवी आईलैश इस्तेमाल ना करें क्योकि इससे आपकी आंखें ज्यादा छोटी नजर आ सकती हैं। हैवी आईलैश ज्यादातर ब्राइडल मेकअप के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अगर आँखे साधारण है और आईलैश बहुत कम है तो आप हैवी आईलैश का इस्तेमाल ना करें। आप मीडियम आईलैश अप्लाई कर सकती हैं। हैवीआईलैश अप्लाई करने के बाद अच्छी तरह से मस्कारा अप्लाई करें। आईलैश अप्लाई करने के बाद कर्लर का इस्तेमाल जरूरी है खासकर हैवी आईलैशेस के साथ। इससे आपकी आंखें हाइलाइट हो जाती है। कर्ल की हुई आईलैश से आप पहले से ज्यादा खूबसूरत दिखाई देंगी।

इस वेडिंग सीज़न ट्राई करें यह ट्रेंडी साड़ियां, मिलेगा ग्रेसफुल लुक

लेडीज़ आउटफिट्स में साड़ी ऐसा पहनावा है जिसमें हर महिला खूबसूरत दिखती है। साड़ी में आपको ट्रेडिशनल के साथ ही क्लासी लुक भी मिलता है। इस वेडिंग सीज़न में हम बता रहें हैं कुछ ऐसी ट्रेंडी साड़ियों के बारें में जिससे आपको फैशनबल के साथ ही ट्रेडिशनल लुक भी मिलेगा। खूबसूरत रंगबिरंगी साड़ियां हर किसी की पसंद है ये ट्रेडिशनल होने के साथ ही फैशनबल लुक भी देती हैं। लेडीज़ आउटफिट्स में साड़ी ऐसा पहनावा है जिसमें हर महिला खूबसूरत दिखती है। साड़ी में आपको ट्रेडिशनल के साथ ही क्लासी लुक भी मिलता है। इस वेडिंग सीज़न में हम बता रहें हैं कुछ ऐसी ट्रेंडी साड़ियों के बारें में जिससे आपको फैशनबल के साथ ही ट्रेडिशनल लुक भी मिलेगा।

शिफॉन की साड़ियां

आप शिफॉन की ब्लू साड़ी के साथ नेकलेस ब्लाउज़ कैरी कर सकती है। इससे आपको एलिगेंट लुक के साथ ट्रेंडी भी लुक भी मिल सकता है। या फिर भूमि पेंडेकर ने जैसे ब्लू साड़ी के साथ अंडरवायर ब्लाउज़ कैरी किया है वैसा भी कर सकती हैं।

साऊथ इंडियन साड़ियां

साऊथ इंडियन साड़ियां सबसे क्लासी और हैवी होती हैं। लेकिन कैरी करने में एकदम हल्की होती हैं और कलर भी बहुत ब्राइट होते हैं। इन साड़ियों को विदेश में भी बहुत पसंद किया जाता है। जैसे कंगना राणावत ने अपनी फिल्म %थलेवी% के प्रमोशन के दौरान साऊथ इंडियन साड़ी पहनी थी।

बनारसी साड़ियां

बनारसी साड़ियां हर किसी की पसंद होती हैं कलर बहुत ही प्यारे होते हैं। बनारसी साड़ियां आजकल ट्रेंड में हैं। बनारसी साड़ियां किसी भी फंक्शन, त्यौहार में हमेशा ही अलग लुक देती हैं। बनारसी साड़ी इस वेडिंग सीज़न में आपको रॉयल लुक देगी।

ट्रेंडी वाइब्रेंट साड़ी और ऑफ शोल्डर ब्लाउज़

भेड़िया मूवी के प्रमोशन के दौरान कीर्ति सैनन ने डिजाइनर रणबीर मुखर्जी की वाइब्रेंट साड़ी को ऑफ शोल्डर ब्लाउज़ के साथ कैरी किया और वह इसमें बहुत खूबसूरत दिख रहीं थीं आप चाहें तो आप भी ऑफ शोल्डर ब्लाउज़ के साथ वाइब्रेंट साड़ी कैरी कर सकती हैं।

कॉटन ब्लेंड साड़ी

कॉटन ब्लेंड साड़ियां पहनने के लिए बेहद सूटेबल हैं और कॉटन फैब्रिक से बनी होने की वजह से ये काफी आरामदायक भी होती हैं। ये साड़ियां देखने में बहुत खूबसूरत होती हैं और किसी भी मौके पर पहनी जा सकती हैं।

इस सर्दी नहीं झड़ेंगे आपके बाल, घर पर ही अपनाएं ये टिप्स, मिलेगा जबरदस्त फायदा

सर्दियो में बाल रूखे, कमजोर और अत्यधिक मात्रा में झड़ना शरू हो जाते हैं. जो हमें चिंता में डाल देता है. बालों के झड़ने का महंगा इलाज नहीं करा सकते लेकिन अपने अत्यधिक बालों के झड़ने के बारे में चिंतित हैं, ये तो घरेलू उपाय आपके बेहद काम आ सकते हैं.

बालों में गर्म तेल की मालिश-

गर्म तेल की मालिश– थोड़ा सा तेल गर्म करें (नारियल या बादाम का तेल) और धीरे–धीरे अपनी उंगलियों से अपने स्कैल्प की मालिश करें. यह बालों के रोम में रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है, आपके बालों की जड़ों की ताकत बढ़ाता है और आपके सिर की त्वचा को कंडीशन करता है.

प्याज का रस

प्याज का रस– प्याज में मौजूद उच्च सल्फर सामग्री के कारण बालों को झड़ने से बचाता है. प्याज का रस बालों को मजबूती देने और झड़ने से बचाने में मदद करता है. इसे बालों में लगाने से सेल्स के छोटे बाल बढ़ना शुरू हो जाते हैं सूजन कम होता है. प्याज के रस में एंटी–बैक्टीरियल गुणों की मौजूदगी उन कीटाणुओं को मारने में मदद करती है जो स्कैल्प के संक्रमण का कारण बनते हैं जिससे बाल झड़ सकते हैं.

चुकंदर का रस

चुकंदर का रस– चुकंदर आपके बालों के झड़ने का कारण बनने वाले पोषक तत्वों की कमी को पूरा करने में आपकी मदद करता है. तो इसे अपने आहार में शामिल करें और इस समस्या को जड़ से खत्म करें.

ग्रीन टी

ग्रीन टी– ग्रीन टी बालों के रोम को पुनर्जीवित करती है और बालों के उत्पादन को उत्तेजित करती है. यह आपके चयापचय को भी बढ़ाता है जो बालों के विकास की दर को बढ़ाता है. बस ग्रीन टी के घोल से अपने बालों को कंडीशन करें और बदलाव देखें!

ध्यान करें

ध्यान करें– बालों के झड़ने का एक मुख्य कारण तनाव भी है. माना जाता है कि जब आप तनाव में होते हैं तो आपके खाने–पीने का तौर तरीका बदल जाता है, साथ ही ये आपके हार्मोन को भी प्रभावित करता है, ऐसे में मेडिटेशन एक अच्छा उपाय है, इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और इस परेशानी से छुटकारा पाएं.

भारतीय आंवला का रस

भारतीय आंवला– बालों से संबंधित समस्याओं के इलाज के लिए आंवला से बेहतर क्या है? बालों के झड़ने के प्रमुख कारणों में से एक विटामिन सी की कमी है और आंवला इसका एक समृद्ध स्रोत है, इसे हमारे सिस्टम में वापस भरने का कोई बेहतर तरीका नहीं है! यह एंटी–ऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है जो डैंड्रफ और स्कैल्प की सूजन को रोकता है. इस प्रकार आंवला स्कैल्प को साफ रखता है और बालों की जड़ों को बनाने के लिए आवश्यक पोषण प्रदान करता है.

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बधाई दी और उनके लंबे व स्वस्थ जीवन की कामना की। 'भारत रत्न' से सम्मानित आडवाणी की गिनती देश के वरिष्ठतम नेताओं में होती है। वह शुक्रवार को 97 साल के हो गए। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह वर्ष और भी खास है क्योंकि इसी साल उन्हें राष्ट्र के उत्कृष्ट सेवा के लिए 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।'' उन्होंने कहा, ''भारत के सबसे प्रशंसित राजनेताओं में से एक आडवाणी ने देश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए खुद को समर्पित किया। बुद्धिमत्ता और समृद्ध अंतर्दृष्टि के लिए उनका हमेशा सम्मान किया गया है। मेरा सौभाग्य है कि मुझे कई वर्षों तक उनका मार्गदर्शन प्राप्त रहा। मैं उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।''

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के प्रस्ताव पर भड़के मोदी-शाह

मुंबई। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 को लेकर पारित किये गये प्रस्ताव अब राष्ट्रीय राजनीति का भी विषय बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पारित प्रस्ताव की आलोचना करते हुए विपक्षी इंडिया गठबंधन को जोरदार तरीके से घेरा है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री शुक्रवार को महाराष्ट्र के चुनावी दौरे पर थे। दोनों ही नेताओं ने अपनी सभाओं के माध्यम से अनुच्छेद 370 का मुद्दा उठाते हुए देश को विश्वास दिलाया कि अब कोई ताकत इसे वापस नहीं लौटा सकती है। महाराष्ट्र के धुले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जैसे ही कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला, उन्होंने कश्मीर के खिलाफ अपनी साजिशें शुरू कर दीं। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया।क्या देश यह स्वीकार करेगा? उन्होंने कहा कि अब कोई ताकत अनुच्छेद 370 को जम्मू-कश्मीर में वापस नहीं ला सकती है।

भाजपा हमें रोकने के लिए पूरी ताकत लगाएगी : केजरीवाल

नईदिल्ली। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक वीडियो संदेश में समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम पिछले दो वर्षों में सबसे कठिन दौर से गुजरे हैं। हमें तोड़ने और खरीदने की बहुत कोशिशें की गईं लेकिन हम नहीं टूटे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ता और अधिक ताकत और जुनून के साथ एक परिवार बन गए हैं। अगले कुछ महीनों में, दिल्ली विधानसभा चुनाव में, ये लोग हमें दिल्ली विधानसभा चुनाव में हराने के लिए सब कुछ करेंगे। आप नेता ने कहा कि लोग अपनी पूरी ताकत लगा देंगे, लेकिन हमें इन ताकतों को किसी भी हालत में जीतने नहीं देना है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमें रोकने के लिए पूरी ताक़त लगाएगी, लेकिन हमें इन्हें जीतने नहीं देना है। हर कुर्बानी देने के लिए तैयार रहना होगा। दिल्ली के कामों को थमने नहीं देना है।

योगी के बटेंगे तो कटेंगे से अजित पवार ने बनाई दूरी

मुंबई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली में अपना नारा बटेंगे तो काटेंगे दोहराने के एक दिन बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख अजित पवार ने कहा कि राज्य के लोग ऐसी टिप्पणियों की सराहना नहीं करते हैं। इस कदम को महायुति की प्रमुख सहयोगी राकांपा द्वारा चुनाव अभियान में अपने नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए गए नारे को लेकर भाजपा से दूरी बनाने के तौर पर देखा जा रहा है।

योगी की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री पवार ने पुणे में कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का प्रयास किया है। पवार ने कहा कि किसी को भी महाराष्ट्र की तुलना दूसरे राज्यों से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाहर से कुछ लोग यहां आते हैं और बयान देते हैं, लेकिन महाराष्ट्र ने कभी भी सांप्रदायिक विभाजन स्वीकार नहीं किया है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में तीसरे दिन भी हंगामा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को भी व्यवधान जारी रहा, क्योंकि विपक्ष ने आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के विधायक और इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख द्वारा अनुच्छेद 370 पर बैनर दिखाने पर कड़ी आपत्ति जताई। पहले दिन भी जम्मू-कश्मीर विधानसभा में उस समय हंगामा हुआ, जब पुलवामा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पीडीपी (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) के नेता वहीद पारा ने अनुच्छेद 370 को हटाने और जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल करने के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। बारामुल्ला के सांसद इंजीनियर राशिद के भाई और आवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक खुर्शीद अहमद शेख को मार्शलों द्वारा सदन से बाहर निकाल दिया गया। सदन में हंगामे के बाद पार्टी के कई सदस्यों को मार्शलों द्वारा बाहर निकाले जाने के बाद भाजपा ने विधानसभा से वॉकआउट कर दिया।

धुले में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर कसा तंज, महाअघाड़ी की गाड़ी में न पहिए हैं, न ब्रेक हैं

■ **महाराष्ट्र के धुले में पीएम ने दिया नया चुनावी नारा एक हैं तो सेफ हैं**

मुंबई। महाराष्ट्र में अब चुनाव प्रचार तेज होता दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को धुले में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र से मैंने जब भी कुछ मांगा है, महाराष्ट्र के लोगों ने दिल खोलकर मुझे अपना आशीर्वाद दिया है। 2014 के विधानसभा चुनाव में मैं आपके बीच यहां धुले आया था। उन्होंने कहा कि मैंने आपसे महाराष्ट्र में भाजपा सरकार के लिए आग्रह किया था। आपने महाराष्ट्र में 15 साल के सियासी कुचक्र को तोड़कर भाजपा को अभूतपूर्व जीत दिलाई थी। आज मैं एक बार फिर यहां धुले की धरती पर आया हूं। धुले से ही मैं महाराष्ट्र में चुनाव अभियान की शुरुआत कर रहा हूं।

मोदी ने कहा कि ये जनसमूह, ये उत्साह, ये उमंग वाकई अभिभूत कर देते हैं। हम सभी को, भाजपा को महायुति को, महायुति के एक-एक उम्मीदवार को आपका आशीर्वाद चाहिए। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि पिछले 2.5 वर्षों में महाराष्ट्र के विकास को जो गति मिली है, उसे रुकने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले 5 वर्ष महाराष्ट्र की प्रगति को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। महाराष्ट्र को जो सुशासन चाहिए, वो सिर्फ महायुति की सरकार ही दे सकती है। दूसरी तरफ देखिए, महाअघाड़ी की गाड़ी में वैसे भी न पहिए हैं, न ब्रेक हैं और ड्राइवर की सीट पर बैठने के लिए भी झगड़ा हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीति में आने पर हर किसी का अपना एक लक्ष्य होता है। हम जैसे लोग जनता को ईश्वर का रूप मानते हैं, जनता की सेवा के लिए राजनीति में आए हैं। वहीं कुछ लोगों की राजनीति का आधार है लोगों को लूटना। जब लोगों को लूटने की नीयत वाले महाअघाड़ी जैसे लोग सरकार में आ जाते हैं तो वो विकास ठप्प कर देते हैं, हर योजना में भ्रष्टाचार करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आपने महाअघाड़ी वालों के धोखे से बनी सरकार के 2.5 साल देखें हैं। इन लोगों ने पहले सरकार लूटी और फिर महाराष्ट्र के लोगों

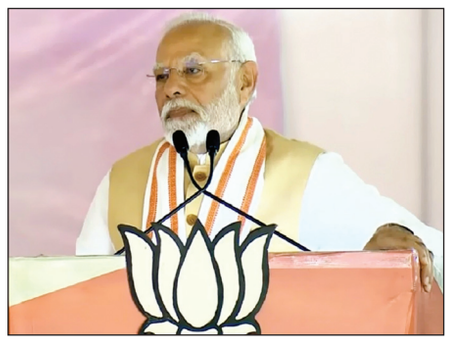

को लूटने में भी वो लोग लग गए थे। इन लोगों ने मेट्रो परियोजनाओं को ठप्प कर दिया।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि वधावन पोर्ट के काम में अड़ंगा लगा दिया, समृद्धि महामार्ग बनने में रुकावटें पैदा की। अघाड़ी वालों ने हर उस योजना पर रोक लगा दी, जिससे महाराष्ट्र के लोगों का भविष्य निश्चित उज्वल होने वाला था। उन्होंने कहा कि फिर आपके आशीर्वाद से यहां महायुति की सरकार बनी। महायुति की सरकार ने 2.5 वर्षों में महाराष्ट्र ने विकास के नए रिकॉर्ड बनाएं। शिंदे जी की कमान में 2.5 वर्षों में महाराष्ट्र को उसका गौरव और विकास का भरोसा वापस मिला है। उन्होंने कहा कि विकसित महाराष्ट्र-विकसित भारत के लिए हमारी बहनों-बेटियों का जीवन आसान बनाना, उन्हें सशक्त करना बहुत जरूरी है।

मोदी ने साफ तौर पर कहा कि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो पूरा समाज तेजी से प्रगति करता है। इसलिए, पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने महिलाओं को केंद्र में रखकर बड़े फैसले लिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जो कदम उठा रही है, वो कांग्रेस और उसके गठबंधन को बर्दाश्त नहीं हो रहा। आप जानते हैं कि महायुति सरकार की माझी लाडकी बहिण योजना की कितनी चर्चा है। लेकिन कांग्रेस, माझी लाडकी बहिण योजना को बंद करवाने की साजिश रच रही है।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस और उसके साथियों ने ठान लिया है कि अगर उन्हें सत्ता मिली, तो सबसे पहले इस योजना को बंद कर देंगे। इसलिए महाराष्ट्र की हर महिला को इन अघाड़ी वालों से सतर्क रहना है। ये लोग कभी नारीशक्ति को सशक्त होते हुए नहीं देख सकते। उन्होंने कहा कि पूरा महाराष्ट्र देख रहा है कि कांग्रेस और अघाड़ी वाले लोग अब महिलाओं को किस तरह गाली देने पर उतर आए हैं। कैसी-कैसी अभद्र भाषा, कैसे-कैसे कमेंट, महिलाओं को नीचा दिखाने की कोशिश। महाराष्ट्र की कोई माता-बहन कभी भी अघाड़ी वालों के इस कृत्य को माफ नहीं कर सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया गुट पर हमला बोला। पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए पर भरोसा करता है और आगामी राज्य चुनावों में उनके गठबंधन के लिए वोट करेगा। एक हैं तो सेफ हैं का नारा देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस द्वारा एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाने का खतरनाक खेल खेला जा रहा है। और ये खेल इसलिए खेला जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस कभी दलितों-पिछड़ों-आदिवासियों को आगे बढ़ते नहीं देख सकता। यही कांग्रेस का इतिहास है।

पीएम मोदी ने कहा इस सप्ताह उनका राज्य भर में आठ और रैलियां करने का कार्यक्रम है। पीएम मोदी ने महायुति सरकार के शासन में विश्वास जताते हुए कहा कि केवल भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन ही राज्य में आवश्यक सुशासन प्रदान कर सकता है। रैली के दौरान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भारत के आदिवासी समुदायों को विभाजित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा, %%कांग्रेस का एजेंडा देश के सभी आदिवासी समुदायों के बीच दरार पैदा करना है।

उन्होंने कांग्रेस के कार्यों को विभाजन से जोड़ते हुए कहा कि जब कांग्रेस ने धार्मिक समूहों के साथ मिलकर यह साजिश रची, तो इससे देश का विभाजन हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस अब अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास कर रही है, उन्होंने इसे भारत में सबसे बड़ी साजिश बताया।

भाजपा की विचारधारा के कारण जला मणिपुर : राहुल

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को झारखंड के सिमडेगा में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि मैं आपको मणिपुर के बारे में बताता हूं। भाजपा ने मणिपुर को जला दिया और आज तक, भारत के प्रधान मंत्री ने वहां का दौरा नहीं किया है। इसका मतलब है कि उन्होंने इस बात को मान लिया है कि मणिपुर जैसा कोई राज्य नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा की विचारधारा के कारण मणिपुर जला।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि मैं चाहता हूं कि अगर यह देश चले, तो 90त्न लोग इस देश को चलाएं और बीजेपी चाहती है कि देश को

2-3 लोग चलाएं- पीएम नरेंद्र मोदी, एचएम अमित शाह, अंबानी और अडानी - और पूरे देश की संपत्ति, चाहे आपकी ज़मीन हो, चाहे जंगल हो - सब आपसे छीन लिया जाएगा और इन 10-15 बड़े अरबपतियों को दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया है। उनमें आपको एक भी आदिवासी, दलित या पिछड़ा वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा। जब हम कहते हैं कि किसानों का कर्ज माफ होना चाहिए तो वो कहते हैं कि देखो राहुल गांधी किसानों की आदत खराब कर रहे हैं। जब आपने उनका कर्ज माफ किया तो क्या आपने उनकी आदतें खराब नहीं कर दीं?राहुल ने भाजपा पर आरोप लगाया कि ये दलित और अल्पसंख्यकों के विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि देश में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की कोई भागीदारी नहीं है। देश के दलित, पिछड़े और आदिवासी वर्ग के लोग सक्षम हैं। आप में कोई कमी नहीं है। आप हर तरह का काम कर सकते हैं, लेकिन आपके रास्ते को रोका जाता है। मैंने संसद में जातिगत जनगणना की बात उठाई तो नरेंद्र मोदी चुप हो गए।

वक्फ बोर्ड के कुछ प्रावधानों से पूरा देश परेशान : शाह

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को शिराला में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि 20 तारीख को पूरे महाराष्ट्र में मतदान होना है, और आप लोगों को इसमें निर्णायक भूमिका लेनी है। मैं डेढ़ महीने पहले महाराष्ट्र का दौरा कर रहा था। हर जगह एक ही बात है... लोग कह रहे हैं कि महायुती की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार है। राज्य में एनडीए की सरकार बना दीजिए, ये दोनों मिलकर महाराष्ट्र को नंबर 1 राज्य बनाने का काम करेंगे।

अमित शाह ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र

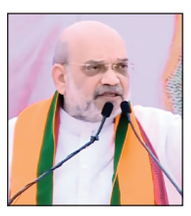

का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने इसी संकल्प पर कायम हैं। आपको आने वाले चुनाव की जिम्मेदारी लेनी होगी। आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास यात्रा जारी रहे। जम्मू कश्मीर विधानसभा में बवाल के बीच शाह ने कहा कि ये कश्मीर हमारा है या नहीं, आप हमें बताओ? धारा 370 हटनी चाहिए थी या नहीं? ये कांग्रेस, एनसीपी, नकली शिवसेना... ये कहते हैं कि कश्मीर से धारा 370 नहीं हटनी चाहिए।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा बनाए गए वक्फ बोर्ड के कुछ प्रावधानों से पूरा देश परेशान है। उसमें बदलाव लाने के लिए पीएम मोदी संसद में बिल लेकर आये। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में मंदिरों समेत पूरे गांव और लोगों की जमीन को वक्फ की संपत्ति घोषित कर दिया गया है। मैं पवार साहब और उद्धव से पूछने आया हूं कि आप बताएं कि आप इस बिल का समर्थन करेंगे या विरोध करेंगे। वे जवाब नहीं देंगे। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि अगर महाविकास अघाड़ी सत्ता में आए तो वे किसानों की जमीन वक्फ बोर्ड के नाम पर स्थानांतरित करने का भी प्रयास करेंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

पाकिस्तान ने 93 महीने बाद ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया

एडिलेड। पाकिस्तान ने एडिलेड ओवल में खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 ओवर में 163 रन पर सिमट गई। जवाब में पाकिस्तान ने 26.3 ओवर में एक विकेट गंवाकर जीत हासिल की। हारिस रऊफ ने पांच विकेट झटके। वहीं, सैम अयूब ने 82 रन की पारी खेली। तीन मैचों की वनडे सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। पहला वनडे ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। अब 10 नवंबर को निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा।

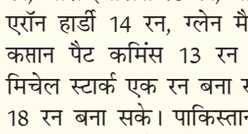

पाकिस्तान ने वनडे में जनवरी 2017 के बाद ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया है। पाकिस्तान ने इससे पहले कंगारुओं को 15 जनवरी 2017 को मेलबर्न वनडे में हराया था। अब 93 महीने बाद पाकिस्तानी टीम ने जीत हासिल की। पिछले साल वनडे विश्व कप में पहले दौर से बाहर होने के बाद यह पाकिस्तानी टीम की पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज है और टीम ने गजब की वापसी की है। पहले वनडे में पाकिस्तानी टीम ने कंगारुओं को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दो विकेट से जीत दर्ज में कामयाब हुआ था। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही। टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया। मैथ्यू शॉर्ट 19 रन, जेक फ्रेजर मैकगर्क 13 रन, जोश इंगलिस 18 रन, मार्नस लाबुशेन छह रन, एरॉन हार्डी 14 रन, ग्लेन मैक्सवेल 16 रन और कप्तान पैट कमिंस 13 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल स्टार्क एक रन बना सके और एडम जैम्पा 18 रन बना सके। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने पांच विकेट लिए, जबकि शाहीन अफरीदी को तीन विकेट मिले। नसीम शाह और मोहम्मद हसनैन को एक-एक विकेट मिला।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 55 अंक टूटा निफ्टी 24,148 पर बंद

मुंबई। वैश्विक बाजारों और आईटी शेयरों में तेजी के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने और विदेशी निवेशकों की लगातार जारी बिकवाली के चलते बाजार नीचे आया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज तेजी के साथ 79,611.90 अंक पर खुला। हालांकि, बाजार ज्यादा देर तक हरे निशान में नहीं रखा और लाल रंग में फिसल गया। अंत में सेंसेक्स 55.47 अंक या 0.07त्न की गिरावट लेकर 79,486.32 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 51.15 अंक या 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ 24,148.20 के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 27 के शेयर गिरावट जबकि 23 के शेयर हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की तीस कंपनियों में एशियन पेंट्स का शेयर सबसे ज्यादा 2.62 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

पेज इंडस्ट्रीज का दूसरी तिमाही में लाभ 30 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली। परिधान बनाने वाली कंपनी पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत बढ़कर 195.25 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शुद्ध लाभ 150.27 करोड़ रुपये रहा था। पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पीआईएल) की ओर से गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 11.06 प्रतिशत बढ़कर 1,246.27 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,122.11 करोड़ रुपये थी। पीआईएल ने अपने आय विवरण में कहा, '' बिक्री मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 5.52 करोड़ 'पीस' तक पहुंच गई।'' पेज इंडस्ट्रीज का कुल व्यय दूसरी तिमाही में 7.54 प्रतिशत बढ़कर 998.34 करोड़ रुपये रहा।

एबीएफआर को सितंबर तिमाही में 214.7 करोड़ रुपये का घाटा

नईदिल्ली। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) को जुलाई-सितंबर तिमाही में 214.70 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है, जबकि पिछले साल समान अवधि में उसे 200.34 करोड़ रुपये का घटा हुआ था। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड ने गुरुवार देर रात शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया, समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 3,643.86 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले समान तिमाही में 3,226.44 करोड़ रुपये थी। जुलाई-सितंबर तिमाही में 'मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल' खंड उका राजस्व 1,861.75 करोड़ रुपये, पैंटालून्स से राजस्व 4,082.16 करोड़ रुपये और एथनिक तथा अन्य व्यवसाय से 755.42 करोड़ रुपये रहा। इसने हाल ही में मदुरा कारोबार को एबीएलबीएल नामक एक अलग सूचीबद्ध इकाई में विलय करने की घोषणा की है।

आईआरबी का टोल रेवेन्यू कलेक्शन 21 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर का टोल संग्रह से राजस्व अक्टूबर में 21 प्रतिशत बढ़कर 539.6 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी महीने 447.8 करोड़ रुपये था। आईआरबी ने शेयर बाजार को गुरुवार को दी सूचना में बताया, उसके 17 टोल में से महाराष्ट्र में आईआरबी एमपी एक्सप्रेसवे ने कुल राजस्व संग्रह में सर्वाधिक 142.6 करोड़ रुपये और इसके बाद आईआरबी अहमदाबाद वडोदरा सुपर एक्सप्रेस टोलवे ने 66.2 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कंपनी ने सीजी टोलवे (चित्तौड़गढ़ से गुलाबपुरा एनएच 79) से 32.7 करोड़ रुपये का टोल राजस्व एकत्र किया। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर के डिप्टी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ मुरारका ने कहा, '' वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही के अच्छे प्रदर्शन के बाद तीसरी तिमाही की शुरुआत मजबूती के साथ हुई है।

भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

प्रह्लाद सबनानी

विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाकर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हो रहा है। पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं। रोजगार की उपलब्धता में कमी के चलते समाज में कई प्रकार की बुराईयां जन्म लेने लगती हैं क्योंकि यदि किसी नागरिक के पास रोजगार ही नहीं होगा तो वह अपनी भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। पूंजीवाद की नीतियों के अनुपालन के चलते वर्तमान में विश्व के कई देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो रहा है। परंतु, प्राचीनकाल में भारत में उपयोग में लाए जा रहे आर्थिक मॉडल को अपनाए जाने के कारण भारत में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध रहता था। भारत में अतिप्राचीन काल से ग्रामीण क्षेत्र ही विकास के केंद्र रहते आए हैं। भारत का कृषि क्षेत्र तो विकसित था ही, साथ में, कुटीर उद्योग भी अपने चरम पर था। पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जाता था। नौकरी शब्द तो शायद उपयोग में था ही नहीं क्योंकि परिवार के सदस्य ही अपने पुरखों के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में रुचि लेते थे अत: भारत के प्राचीन काल में नागरिक उद्यमी थे। नौकरी को तो निकृष्ट कार्य की श्रेणी में रखा जाता

था।

भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अत: प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है। परंतु, साथ में आय की असमानता की खाई भी चौड़ी हो रही है, क्योंकि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय तुलनात्मक रूप से तेज गति से बढ़ रही है। हालांकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों, के लिए कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं और इसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है।

भारत में आर्थिक प्रगति के चलते सम्पत्ति के निर्माण की गति भी तेज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023 के अंत में आयकर विभाग में जमा की गई विवरणियों के अनुसार, 230,000 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की बताया है। यह संख्या पिछले 10 वर्षों के दौरान 5 गुणा बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 44,078 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की घोषित किया था। उक्त आंकड़ों में वेतन पाने वाले नागरिकों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 52 प्रतिशत रहा है, वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 49.2 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह प्रतिशत 51 प्रतिशत था। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक का वेतन पाने वाले नागरिकों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जबकि व्यवसाय करने वाले नागरिकों की आय और अधिक तेज गति से बढ़ी है। 500 करोड़ रुपए से अधिक की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में समस्त करदाता व्यवसायी हैं।

क्रमश: ...

कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद और अलगाववाद का काला दौर लाना चाहती हैः साय

कांग्रेस देश की राष्ट्रीयता की भावना पर वार कर रही हैःमुख्यमंत्री

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद और अलगाववाद का काला दौर लाना चाहती है। जम्मू- कश्मीर विधानसभा में धारा 370 और 35 को फिर से लाने के नेशनल कांफ्रेंस के प्रस्ताव का समर्थन कर कांग्रेस ने देश को तोड़ने का कुचक्र फिर से चल दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि कल विधानसभा में जो भी कुछ हुआ, वह पाकिस्तान और देश विरोधी लोगों को खुश करने के लिए किया गया, जम्मू-कश्मीर की जनता को गुमराह करने के लिए किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि आज जो देश की एकता के लिए खड़े हैं, जम्मू-कश्मीर वे विकास और शांति के पक्ष में खड़े हैं, उन्हें मार्शल के जरिये बेरहमी से जम्मू-कश्मीर विधानसभा से बाहर निकाला जा रहा है। कांग्रेस-एनसी, पीडीपी - ये सब जम्मू-कश्मीर में फिर से आतंकवाद को लाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि यह कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस का का राष्ट्रविरोधी एजेंडा है। शेख अब्दुल्ला से लेकर उमर अब्दुल्ला तक, भावनात्मक ब्लैकमेल करना नेशनल कॉन्फ्रेंस की दिनचर्या है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर धारा 370 तथा 35 के काले साए से कब का निकल चुकी है। वह विकास के रास्ते पर चल पड़ी है लेकिन कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी ये सब कश्मीर घाटी में आई शांति से परेशान हैं। ये जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद व अलगाववाद के काले दौर को वापस लाना चाहती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार ने वादा किया था कि जम्मू-कश्मीर को विधानसभा देंगे, चुनाव करायेंगे, केवल 5 साल के अंदर मोदी

सरकार ने चुनाव कराये और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल किया। हम आगे भी जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए काम करेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि कांग्रेस फिर से धारा 370 बहाल करके की बात करके यह बताना चाहती है कि हम वाल्मीकियों, गोरखा समाज, पश्चिमी पाकिस्तान शरणार्थी, पहाड़ी और गुर्जर के खिलाफ हैं। कांग्रेस ने नेशनल कांफ्रेंस के घोषणापत्र का समर्थन कर जम्मू-कश्मीर में आरक्षण को खत्म करने का समर्थन किया था। वैसे भी राहुल गाँधी अमेरिका जाकर आरक्षण को खत्म करने की बात कर चुके हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि धारा 370 के हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। नागरिकों की मृत्यु में भी लगभग 80त्न की कमी आई है। विदेशी नागरिकों के पर्यटन में 300 प्रतिशत का उछाल आया है। जम्मू-कश्मीर का बजट 17 प्रतिशत बढ़ा है। पत्थरबाजी की घटना बिलकुल बंद हो गई। आतंकवादी घटनाएं दो-तीन जिलों में ही सिमट कर रह गई। जहाँ पहले 5-7 प्रतिशत मतदान होता था, वहां भी 50 प्रतिशत मतदान होने लगा। जो पहले अलगाववाद और आतंकवाद की वकालत कर रहे थे, वे भी अब हिंदुस्तान के संविधान में लोकतंत्र को मजबूती देते हुए वोट मांगते दिखाई दिए। जी-20 की बैठक जम्मू-कश्मीर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जम्मू-कश्मीर को 80 हजार करोड़ रुपये का विशेष पैकेज मिला, 56 हजार करोड़ रुपये का निवेश आया। आजादी से लेकर धारा 370 के हटने तक जम्मू-कश्मीर में जितना निवेश आया, उसकी तुलना में तीन गुना निवेश पिछले 4 सालों में जम्मू-कश्मीर में हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कांग्रेस को इसका जवाब देना होगा। इनके इरादे ठीक नहीं है। कांग्रेस नेता फिर से 90 के दशक वाला जैसा माहौल जम्मू-कश्मीर में बनाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के कांग्रेस विधायक दल के नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को कम करने और विभाजन के खिलाफ लोगों की नाराजगी का समर्थन किया था और किया है। गुलाम अहमद मीर ने एक तरह से प्रस्ताव का समर्थन किया, कांग्रेस विधानसभा में इस प्रस्ताव के समर्थन में खड़ी नजर आई। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी अनुच्छेद 370 को हटाने पर अपनी स्थिति स्पष्ट करे। कांग्रेस के एक और पुराने नेता सैफुद्दीन सोज ने प्रेस रिलीज करके इस प्रस्ताव का समर्थन किया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में जो प्रस्ताव पास किया गया है, भले ही उसमें से चालाकी से धारा 370 और 35 का जिक्र नहीं किया गया है लेकिन उस प्रस्ताव में जो मांग की गई है, वह धारा 370 और 35ए के जैसा ही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जब विधानसभा में यह प्रस्ताव पारित हो रहा था तो भाजपा सदस्य इसका विरोध कर रहे थे जबकि कांग्रेस के सदस्य इसका मौन समर्थन कर रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि स्पीकर को निष्पक्ष होना चाहिए था। मीडिया से आई जानकारी में पता चला है कि स्पीकर ने स्वयं ही मंगलवार (5 नवंबर) को मंत्रियों की बैठक बुलाई थी और खुद ही प्रस्ताव तैयार किया। ये सरासर असंवैधानिक है। ये प्रस्ताव लाना पहले से सदन की कार्यवाही में लिस्टेड भी नहीं था। जब विधानसभा में स्त्न के अभिभाषण पर चर्चा होनी थी तो प्रस्ताव कैसे लाया गया?

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि इस प्रस्ताव को बिना किसी बहस के पारित कर दिया गया क्योंकि स्पीकर ने शोरगुल के बीच इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। इतने बड़े विषय पर चर्चा नहीं होने दी गई। ये कैसा लोकतंत्र है?

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि इस प्रस्ताव की कोई कानूनी वैधता नहीं है क्योंकि जम्मू-कश्मीर विधानसभा संसद या सुप्रीम कोर्ट से ऊपर नहीं है। कोई भी विधानसभा अनुच्छेद 370 और 35 को वापस नहीं ला सकती। धारा 370 और 35 इतिहास बन चुकी है, इस इतिहास को अब कोई बदल नहीं सकता। नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर के लोगों को गुमराह कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जो लोग पहले धारा 370, 35, स्वायत्तता और जमात-ए-इस्लामी के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाने की राजनीति करते थे, वे अब 5 अगस्त 2019 के बाद से स्थापित शांति से परेशान हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस राज्य के दर्जे पर बातचीत शुरू करके गरीब लोगों को फिर से सड़क पर लाना चाहती है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि अभी जब घाटी में आतंकी हमले हुए और उसमें पाकिस्तान के हाथ होने का मामला सामने आया, तब भी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान का जिक्र तक नहीं किया।

भाजपा ने रायपुर दक्षिण को विकास से दूर रखा - कांग्रेस

रायपुर। कांग्रेस नेताओं ने पत्रकारवार्ता लेकर भाजपा के उस दावे को खोखला बताया जिसमें उन्होंने रायपुर दक्षिण में 5000 करोड़ के विकास कार्य कराये जाने की बात कही थी। पूर्व महापौर सभापति प्रमोद दुबे, योग आयोग के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, पार्षद प्रमोद मिश्रा, आकाश तिवारी, रितेश त्रिपाठी ने संयुक्त पत्रकारवार्ता को संबोधित किया।

पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा नेताओ में साहस हो तो भाजपा के द्वारा रायपुर दक्षिण में कराये गये कामो की सूची सार्वजनिक करें। 35 सालों में रायपुर दक्षिण की जनता सड़क, बिजली, पानी जैसे मूलभूत सुविधाओं को तरसती रही। उनके विधायक खुद तो मंत्री बने थे। सांसद बन गये जनता का ख्याल नहीं रखे।

पूर्व महापौर एवं सभापति प्रमोद दुबे ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि रायपुर विकास में वर्षों तक विधायक रहने वाले बृजमोहन अग्रवाल शहर के विकास के लिये कुछ नहीं किया।

15 सालों तक मंत्री थे जितना काम उन्होंने नहीं किया उसका दुगुना काम कांग्रेस की भूपेश सरकार के 5 सालों में हुआ। लगभग 12 से 15 बार केन्द्र सरकार ने रायपुर के बहुत से अच्छे कार्यो को समय-समय पर इनाम दिया। पिछले पांच वर्षो का लेखाजोखा देखे तो माननीय भूपेश बघेल की सरकार में अधोसंरचना में 2019-2020 में 19 करोड़ 56 लाख 47 हजार रूपया अधोसंरचना में पैसा आया। 580 लाख 38 हजार रूपया राज्य सरकार ने अपनी ओर से अतिरिक्त दिया। 2020-2021 में 4286 लाख 83 हजार रुपया मिला। राज्य सरकार की ओर से भूपेश बघेल जी ने 432 लाख 43 हजार रुपया दिया। 2021-2022 में कोरोना काल के समय के बावजूद राज्य सरकार ने जब किसी राज्य में राज्य सरकारों ने पैसा नहीं दिया था उस समय भूपेश बघेल की सरकार ने 5677 लाख रूपया और 64 हजार रुपये अधोसंरचना में दिया और राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत 464 लाख 29 हजार रू. दिया। 2023-2024 में 22374 लाख रूपया 98 हजार और राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत राशि रायपुर नगर निगम के लिये 619 लाख 95 हजार रुपया दिया। यह वो राशि है जो प्रथम बार में दिया गया है। द्वितीय बार में फिर से दिया गया। 7863 लाख 72 हजार रूपया और भूपेश बघेल जी ने अलग से रायपुर नगर निगम को 701 लाख 13 हजार दिया 2019-2020 में और 2020-2021 में 7390 लाख 26 हजार रूपया राज्य प्रवर्तित योजना रायपुर नगर निगम को 163 लाख 77 हजार रुपया दिया। 2022-2023 में 230 लाख रुपये नगर निगम को दिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर नगर निगम को बहुत ही ज्यादा धनराशि प्रदान किया।

मूणत ने रिंग रोड-1 के दोनों ओर साढ़े 10 मीटर चौड़ी सर्विस रोड मांगी

मंत्री गडकरी से 80 करोड़ देने की अर्जी

रायपुर। रायपुर पश्चिम के दिग्गज भाजपा विधायक तथा पीडब्लूडी समेत कई विभागों के तीन बार के पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने बड़ा मुद्दा उठाया है। उनका कहना है कि टाटीबंध से तेलीबांधा के बीच रिंग रोड-1 अब शहर की सड़क हो गई, क्योंकि इसके दोनों ओर घनी आबादी है। इस आबादी के लिए अभी तीन-तीन मीटर की सर्विस रोड है, जो बिलकुल पर्याप्त नहीं है। दोनों ओर की सर्विस रोड की चौड़ाई बढ़ाकर साढ़े दस-दस मीटर करने की तुरंत जरूरत है, ताकि रिंग रोड-1 के दोनों ओर रहनेवाले लाखों लोगों को सुरक्षित सड़क मिल सके। उन्होंने छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम तथा पीडब्लूडी मंत्री अरुण साव के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को माना विमानतल पर एक ज्ञापन सौंपा है। राजेश मूणत ने मंत्री गडकरी से आग्रह किया है कि चूंकि रिंग रोड-1 नेशनल हाईवे का पार्ट है, इसलिए इसके दोनों ओर की सर्विस रोड की चौड़ाई बढ़ाने के लिए 80 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट को मंजूरी दें, ताकि रायपुर के लोगों को बड़ी राहत मिल सके।

राजेश मूणत सड़कों तथा इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में विजनरी माने जाते रहे हैं। रायपुर की कई बड़ी सड़कें, कई प्रमुख सड़कों का चौड़ीकरण तथा फ्लाईओवर्स-अंडरब्रिज का निर्माण उन्हीं के कार्यकाल में हुआ है। शुक्रवार को डिप्टी सीएम साव के साथ मंत्री गडकरी से मिले और उन्होंने दो पेज का ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में कहा गया है कि 30 वर्ष पहले बनी रायपुर की रिंग रोड-1 के किनारे का बड़ा हिस्सा विगत वर्षों में कामर्शियल एरिया के रूप में डेवलप हो चुका है। इस सड़क के दोनों किनारों पर बड़े कांप्लेक्स, शादी घर, शोरूम तथा कई मार्केट तो हैं ही, दोनों ओर घनी आबादी बस चुकी है। इस आबादी का एकमात्र सहारा रिंग रोड-1 के दोनों किनारो पर बनी सर्विस रोड हैं, जो अधिकांशत: पांच-पांच मीटर ही चौड़ी हैं। जिसके कारण जाम की स्थिति तो बनती ही है, हादसों का खतरा भी बढ़ गया है। पूर्व मंत्री मूणत ने बताया कि इस सड़क पर अग्रसेन धाम टर्निंग, कृषि विवि टर्निंग, आर्चब्रिज टर्निंग, कटोरातालाब टर्निंग, संतोषीनगर टर्निंग, कुशालपुर टर्निंग, रायपुरा टर्निंग, भाठागांव टर्निंग और पचपेड़ीनाका टर्निंग में ट्रैफिक के हालात बुरी तरह बिगड़ चुके हैं। यहां लोगों को राहत देने के लिए अंडरब्रिज आदि बने हैं, लेकिन ट्रैफिक दबाव के समय ये नाकाफी साबित होने लगे हैं।

समस्या ही नहीं, हल भी बताया मूणत ने- पूर्व मंत्री मूणत ने मंत्री गडकरी को सिर्फ समस्या ही नहीं बताई, बल्कि इसका हल भी सुझाया है।

उन्होंने कहा कि रिंग रोड-1 के दोनों ओर ट्रैफिक के हालात अभी तो खराब हैं ही, आने वाले समय में स्थिति और भयंकर हो सकती है, क्योंकि दोनों ओर की सर्विस रोड औसतन 5-5 मीटर ही चौड़ी हैं।

प्रमुख समाचार
छत्तीसगढ़/राजधानी

चार दिवसीय छठ पूजा उषा अर्घ्य के साथ संपन्न

रायपुर। चार दिवसीय छठ पूजा आज शुक्रवार सुबह को उषा अर्घ्य के साथ संपन्न हो गया . छठ व्रतियों ने छठ महापर्व के चौथे दिन आज शुक्रवार सुबह को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया . छठ पूजा छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, कोरबा, बस्तर एवं अन्य शहरों में बड़े धूम-धाम से मनाया गया . शुक्रवार सुबह को छठ व्रतियों ने खारुन नदी के महादेव घाट पर उगते हुवे सूर्य को अर्घ्य दिया । बड़ी संख्या में श्रदालु महादेव घाट पहुंचे और उगते हुवे सूर्य की पूजा-अर्चना की। छठ महापर्व आयोजन समिति महादेवघाट, रायपुर के आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि चार दिवसीय छठ महापर्व के आज शुक्रवार सुबह को उषा अर्घ्य के साथ समाप्त हो गया . 30 हजार से अधिक लोग महादेव घाट पर छठ पूजा के अवसर पर महादेव घाट, खारुन नदी पर जमा हुवे . उन्होंने बताया कि छठ पूजा छत्तीसगढ़ में रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग, कोरबा, बस्तर एवं अन्य शहरों में बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है।

पं. नेहरू मेडिकल कॉलेज एडवांस कार्डियक लाइफ सपोर्ट पर कार्यशाला का आयोजन

रायपुर। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के एनेस्थेसिया एवं पेन मैनेजमेंट विभाग द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं एडवांस कार्डियक लाइफ सपोर्ट कार्यशाला का आयोजन मेडिकल कॉलेज के चौथी मंजिल स्थित स्किल लैब में किया जा रहा है। गुरुवार से प्रारंभ हुई इस कार्यशाला में राज्य के विभिन्न हिस्सों से चिकित्सा छात्र भाग ले रहे हैं। इस कार्यशाला में छात्रों को बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं एडवांस कार्डियक लाइफ सपोर्ट की ट्रेनिंग दी जा रही है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा संचालित एवं प्रमाणित इस कोर्स का उद्देश्य आकस्मिक हृदयाघात (कार्डियक अरेस्ट) एवं अन्य आपात स्थिति में मरीज को वक्त पर उपयुक्त सेवा प्रदान करना है ताकि उसके बहुमूल्य जीवन की रक्षा हो सके। आज संपन्न हुई कार्यशाला में छात्रों को हृदय गति रूकने की स्थिति में कार्डियो पल्मोनरी रिससिटैशन के बारे में बताया गया। कोर्स प्रशिक्षक डॉ. प्रतिभा जैन शाह ने दिल का दौरा और लकवे के लक्षण को जल्दी पहचान कर उपयुक्त समय में इलाज करने का प्रशिक्षण छात्रों को दिया। उन्होंने छात्रों का समूह बनाकर आपात स्थिति में मरीज के इलाज एवं त्वरित चिकित्सा प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रदान की।

तीन दिवसीय राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता 13 से शुरु

रायपुर। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान नवा रायपुर द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में 13 से 15 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन साइंस कॉलेज मैदान में किया जाएगा स चित्रकला प्रतियोगिता विभिन्न आयु वर्ग अनुसार आयोजित की जाएगी। इस चित्रकला प्रतियोगिता का शीर्षक राज्य स्तरीय जनजतीय चित्रकला प्रतियोगिता है। चित्रकला का विषय जनजातीय जीवन शैली है। कार्यालय में पंजीयन फार्म प्राप्त होने की अंतिम तिथि 11 नवम्बर है। इच्छु व्यक्ति सहायक संचालक श्रीमती रमा उईके मो. +91-93016-55487 और सुश्री पार्वती जगत मो. +91-78059-82502 से संपर्क कर सकते है। प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने प्रतिभागी पंजीयन फार्म, पुरस्कार राशि, प्रतियोगिता से संबंधित नियम एवं शर्तों से संबंधित विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाईट- से प्राप्त कर सकते है।

राजधानी के किराया भंडार में लगी भीषण आग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित आधुनिक किराया भंडार के गोदाम में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई। आग इतना भयानक थी कि 15 दमकल की गाड़ियां आग बुझाने में लगी। जहां देर रात तक आग बुझाने में दमकल की गाड़ियां लगी हुई थी। दमकल कि गाड़ियां 50 से ज्यादा फेरे लगाए, जिसके बाद आग पर काबू पाया गया। आग को पूरी शांत करने में लगभग सात घंटा लग गया। रायपुर के फाफडीह गली नंबर एक में स्थित चांडक कॉम्प्लेक्स के आधुनिक किराया भंडार के गोदाम में आगी लगी थी। यह पूरी घटना रायपुर के देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र की है। अब तक आग लगने की असल वजह सामने नहीं आई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आग लगने के कारण का पता लगाने में जुटी हुई है। आग ने गोदाम के अधिकांश हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद सभी सामान जलकर राख हो गए। गोदाम में रखे पुराने कबाड़ के सामान भी जलकर खाक हो गया। इससे काफी नुकसान हुआ। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल विभाग के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। आग इतनी भयानक थी कि सात गाड़ियां लगे। इसमें से तीन गाड़ियां किनारे को ठंडा करने में लगी हुई थी, ताकि आग न फैले। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

जैनाचार्य विमर्शसागर जी पर विशेष पोस्टल आवरण जारी

रायपुर। जैन साहित्य को अपने 51 महत्वपूर्ण ग्रंथो से समृद्ध करने वाले जैन दिगंबर आचार्य मुनि विमर्शसागर पर उनके 26 वें संयमोत्सव वर्ष के उपलक्ष में भारतीय डाक विभाग के द्वारा आज मुख्य डाकघर रायपुर से उन पर एक विशेष आवरण जारी किया गया। आवरण के अनावरण समारोह में मुख्य अतिथि प्रदीप जैन संपादक दैनिक विश्व परिवार, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज, डाक विभाग के एस. एस. पी. हरिश महावर, कार्यक्रम अध्यक्ष पंडित अजित शास्त्री तथा संयोजक कैलाश रारा सहित अनेक गणमान्य लोगो की उपस्थिति रही। विशेष अतिथि प्रदीप जैन ने मुनि श्री की रचना 'जीवन है पानी की बूंद' को भौतिक जगत की नश्वरता का दिग्दर्शन बतलाया तो विशिष्ट अतिथि गिरीश पंकज ने महान जैन धर्म को योग प्रधान धर्म बतलाया। संयोजक कैलाश रारा ने मुनि श्री को अभिक्षण ज्ञानोपयोगी संत तो अध्यक्ष अजित शास्त्री ने आचार्य श्री को विद्वत शिरोमणि बतलाया।

भगवान सहस्त्रबाहु जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

भगवान सहस्त्रबाहु के लोक कल्याण के रास्ते पर आगे बढ़ रही है छत्तीसगढ़ सरकारः मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड मुख्यालय में कलार समाज द्वारा आयोजित भगवान सहस्त्रबाहु जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान सहस्त्रबाहु ने धर्मपरायण राज्य की स्थापना कर लोककल्याणकारी का रास्ता दिखाया,हमारी सरकार भी इन्हीं कल्याणकारी रास्तों पर आगे बढ़ रही है और छत्तीसगढ़ के लोगों के भलाई, सुख समृद्धि के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर कटघोरा में स्वास्थ्य

सुविधाओं के विस्तार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 100 बेड वाले अस्पताल में उन्नयन करने का घोषणा की। उन्होंने कटघोरा अम्बिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग में चकचकवा पहाड़ के पास स्थित चौक को भगवान सहस्त्रबाहु के नाम पर रखने के साथ ही कटघोरा विश्राम गृह के उन्नयन की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने कलार समाज को समृद्ध और शिक्षित समाज बताते हुए कहा कि आज समाज के युवा उच्च पदों पर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प रखा है। छत्तीसगढ़ भी इस विकसित भारत के मुहिम में शामिल होकर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस विकास यात्रा में प्रदेश के अन्य समाजों के योगदान के साथ-साथ कलार समाज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि प्रदेश में मोदी की गारंटी को लागू किया जा रहा है। सरकार बनते ही किसानों के धान को 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल में खरीदी, 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी, दो साल का बकाया बोनस का भुगतान, तेंदूपत्ता पारिश्रमिक दर को प्रति मानक बोरा 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5,500 रुपए कर दिया गया। प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना से प्रति माह एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं। पीएम आवास के लिए राशि जारी किए जाने के पश्चात आवास का निर्माण भी प्रारंभ हो गया है। रामलला दर्शन योजना से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अच्छी बारिश हुई है और 14 नवम्बर से धान की खरीदी प्रारंभ की जा रही है। इसके लिए बेहतर व्यवस्था बनाई गई है ताकि किसानों को किसी तरह की समस्याओं का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम स्थल पर युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजन के लिए भी समाज प्रमुखों को बधाई दी।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत का दक्षिण विस में जनसम्पर्क

रायपुर। नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत ने दक्षिण विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा के लिए महामाया मंदिर वार्ड में माँ महामाया को प्रणाम कर जनसम्पर्क किया। नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत ने अपने जनसंपर्क की शुरुवात श्री अनु अग्रवाल, श्री लक्ष्मीनारायण लाहोटी, श्रीमती ममता राय, श्री सुशील ओझा, श्री मनोज कंदोई, श्री अशोक शिवहरे सहित वार्ड वासियो से भेंट मुलाक़ात कर कांग्रेस प्रत्याशी के लिये समर्थन मांगा। महामाया वार्ड के ढीमर समाज भवन में सामजिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के 9 माह की सरकार में कांग्रेस सरकार की जनहित योजनाओं को बंद कर मोदी महंगाई के इस दौर में जनता को और डुबोने का कार्य किया है। यह सरकार अपने किए हुए वादों को ही पूरा नहीं कर पा रही है, 500रु. में गैस सिलेंडर का झूठा

वादा, प्रत्येक महिलाओं को महतारी वंदन लाभ के नाम पर झूठ बोला है। नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरणदास महंत ने महंत लक्ष्मी नारायण वार्ड में पूर्व पार्षद राजेश ठाकुर द्वारा वार्ड की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि, आकाश शर्मा युवा प्रत्याशी है आपकी सुख-दुख का साथी होगा, सेठ लोगों को अपने लंबा अवसर दिया है एक बार इस युवा नौजवान को अवसर देकर देखिए आपका निर्णय सही साबित होगा ये मै आपको भरोसा दिलाता हूँ। आज के जनसंपर्क कार्यक्रम में पूर्व विधायक अमितेश शुक्ल, पूर्व विधायक गुरमुख सिंग होरा, विधायक ओंकार साहू, रश्मि आशीष ठाकुर, पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर, पूर्व महापौर सभापति प्रमोद दुबे, कांग्रेस विधायक दल के सचिव अमित पाण्डेय, प्रदेश कांग्रेस वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी, समीर पांडे, मनोज कंदोई, दिलीप चौहान, शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष ममता रॉय, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सचिन शर्मा सहित बड़ी संख्या में कॉंग्रेस जन उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.